website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 214 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 13 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव की बहाली की मांग पर अनूठा प्रदर्शन

-NSUI ने निकाली 'लोकतंत्र की विदाई बारात'

जयपुर। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव पर लगी रोक के खिलाफ छात्रों का आक्रोश अब सड़कों पर साफ नजर आने लगा है। मंगलवार को एनएसयूआई (NSUI) की ओर से राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर में एक अनोखा प्रदर्शन हुआ। छात्र नेता अभिषेक चौधरी की अगुवाई में छात्रों ने 'लोकतंत्र की विदाई बारात' निकालकर सरकार के फैसले पर करारा विरोध जताया।

इस विरोध प्रदर्शन में एक छात्र मुख्यमंत्री का मुखौटा पहनकर घोड़ी पर सवार नजर आया, जबकि अन्य छात्र कैबिनेट मंत्रियों के मास्क लगाए नाचते हुए चलते रहे। यह दृश्य एक पारंपरिक बारात जैसा था, लेकिन इसके जरिए छात्रों ने सरकार पर लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाया।

अभिषेक चौधरी बोले—यह लोकतंत्र की चिता सजाने जैसा है

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे NSUI नेता अभिषेक चौधरी ने कहा, "यह कोई सामान्य विरोध नहीं है। यह उन हजारों छात्रों की आवाज है जिनका भरोसा सरकार ने बार-बार तोड़ा है। छात्रसंघ चुनाव किसी विश्वविद्यालय की शोभा नहीं, उसकी आत्मा होते हैं। लेकिन बीते कई वर्षों से राजस्थान की सरकार छात्र राजनीति को खत्म करने पर तुली हुई है।"

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की इस विदाई बारात के जरिए हम यह दिखाना चाहते हैं कि सरकार किस तरह से युवा नेतृत्व की हत्या कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की बजाय, उसकी चिता सजाने का काम कर रहा है।

छात्र बोले—अब सब्र का बांध टूट गया है

प्रदर्शन में शामिल छात्र लगातार नारेबाजी करते रहे और अपने अंदाज में सरकार को चेतावनी देते रहे। छात्रों का कहना था कि अब तक उन्होंने शांति बनाए रखी, लेकिन अब धैर्य जवाब दे रहा है।

अभिषेक चौधरी ने कहा, "यह विरोध केवल एक मजाक या ड्रामा नहीं है, बल्कि यह उस युवा ऊर्जा की लपट है जो अब आंदोलन का रूप लेने जा रही है। सरकार छात्रसंघ चुनाव को केवल टाल नहीं रही, बल्कि छात्रों के अधिकारों को कुचल रही है। अब यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

पिछले कई सालों से नहीं हुए छात्रसंघ चुनाव

गौरतलब है कि कोरोना काल और प्रशासनिक कारणों का हवाला देकर पिछले कुछ वर्षों से राजस्थान के अधिकांश विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्रसंघ चुनाव आयोजित नहीं किए जा रहे हैं। इस पर छात्र संगठनों की नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है।

एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने छात्रसंघ चुनावों की तारीख जल्द घोषित नहीं की तो यह आंदोलन पूरे प्रदेश में फैलेगा और सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक सरकार को जवाब देना होगा।

दिल्ली में चार मंजिला इमारत ढही: मरने वालों की संख्या 6 हुई

- 1 साल का बच्चा समेत 8 घायल, बचाव कार्य अब भी जारी

दिल्ली। राजधानी दिल्ली के नॉर्थ-ईस्ट जिले में शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। सीलमपुर के पास वेलकम इलाके की जनता कॉलोनी में एक चार मंजिला इमारत अचानक ढह गई। हादसे के बाद मलबे से लगातार शव बरामद हो रहे हैं। शनिवार शाम तक कुल 6 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि एक साल के बच्चे समेत 8 लोग घायल हुए हैं। फिलहाल बचाव कार्य जारी है।

हादसे के वक्त घर में मौजूद थे 10 लोग

मलबे में दबे लोगों में एक ही परिवार के 10 सदस्य शामिल थे। यह परिवार उसी इमारत में रहता था। घटना सुबह करीब 7 बजे हुई, जब कई लोग मॉर्निंग वॉक पर थे। इसी दौरान एक जोरदार आवाज के साथ पूरी इमारत भरभरा कर गिर गई।

स्थानीय लोगों ने दिखाई बहादुरी

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग सबसे पहले मदद के लिए आगे आए। उन्होंने बिना देरी किए मलबा हटाने और फंसे हुए लोगों को निकालने की कोशिश शुरू कर दी। बाद में मौके पर फायर ब्रिगेड, पुलिस और NDRF की टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन को आगे बढ़ाया।

आसपास के घरों को भी नुकसान

इमारत के सामने रहने वाले अनीस अहमद अंसारी ने बताया कि जब इमारत गिरी तो उसका मलबा उनके घर पर भी गिरा। इस कारण वे खुद भी घायल हो गए। हादसे से आसपास की कई दीवारों में दरारें आ गईं और अन्य मकानों को भी खतरा है।

अमरनाथ यात्रा: अब तक 1.63 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू कश्मीर। अमरनाथ यात्रा इस वर्ष भी श्रद्धा और सुरक्षा के मजबूत संगम के साथ ऐतिहासिक बनती जा रही है। 3 जुलाई 2025 को शुरू हुई इस पवित्र यात्रा में अब तक 1.63 लाख श्रद्धालुओं ने बर्फानी बाबा के दर्शन कर लिए हैं। आज शनिवार को 6,639 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों के मुताबिक तड़के 2:50 बजे, 2,337 यात्रियों को लेकर 116 वाहनों का पहला काफिला बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। इसके बाद 3:55 बजे, 4,302 यात्रियों के साथ 161 वाहनों का दूसरा काफिला नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप की ओर निकला।

इस बार यात्रा मार्ग पर सुरक्षा के लिहाज से कोई समझौता नहीं किया गया है। पूरे मार्ग को सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा सुरक्षित किया गया है। सुरक्षा बलों की मौजूदा तैनाती को और मजबूत करने के लिए 180 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियां लगाई गई हैं। श्रद्धालुओं के लिए दो प्रमुख मार्ग हैं-पहलगाम और बालटाल। पहलगाम मार्ग से तीर्थयात्री चंदनवाड़ी, शेषनाग और पंचतरणी होते हुए गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं और यह मार्ग करीब 46 किलोमीटर लंबा है, जिसे तय करने में चार दिन लगते हैं। वहीं, बालटाल मार्ग सिर्फ 14 किलोमीटर लंबा है और उसी दिन यात्रा पूरी कर वापस बेस कैंप लौटा जा सकता है। सुरक्षा कारणों से इस वर्ष हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं कराई गई है, जिससे सभी तीर्थयात्रियों को पैदल ही यात्रा करनी पड़ रही है।

तीन जुलाई को शुरू हुई यह यात्रा 9 अगस्त 2025 को समाप्त होगी, जो श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन का दिन होगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह वही गुफा है जहां भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरता और शाश्वत जीवन का रहस्य बताया था, इसलिए यह यात्रा हिंदू श्रद्धालुओं के लिए सबसे पवित्र तीर्थों में मानी जाती है।

प्रधानमंत्री ने यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में 'भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य' को शामिल किए जाने की सराहना की

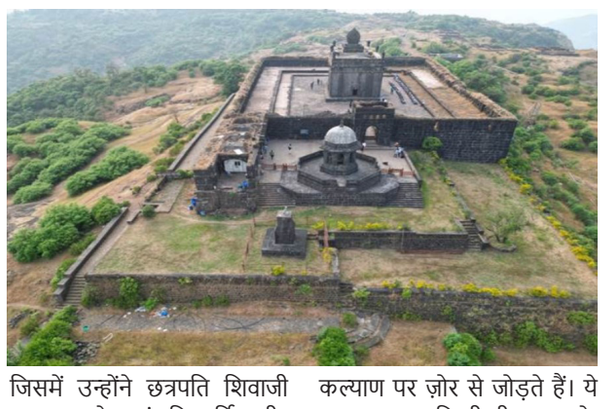

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के मराठा सैन्य परिदृश्यों को प्रतिष्ठित यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर अत्यधिक गर्व और खुशी व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि अंकित धरोहर में 12 भव्य। किले शामिल हैं- 11 महाराष्ट्र में और 1 तमिलनाडु में स्थित है।

प्रधानमंत्री ने मराठा साम्राज्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "जब हम गौरवशाली मराठा साम्राज्य की बात करते हैं, तो हम इसे सुशासन, सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक कल्याण पर जोर के साथ जोड़ते हैं। ये महान शासक हमें किसी भी अन्याय के आगे झुकने से मना करने के लिए प्रेरित करते हैं।"

उन्होंने नागरिकों से मराठा साम्राज्य के समृद्ध इतिहास के बारे में जानने के लिए इन किलों का भ्रमण करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने 2014 में रायगढ़ किले की अपनी यात्रा की यादें साझा की और एक तस्वीर भी साझा की जिसमें उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने उक्तज सम्मानि के बारे में यूनेस्कोर की एक पोस्टं का उत्तवर देते हुए कहा:

"हर भारतीय इस सम्माकन से उत्साहित है।

इन 'मराठा सैन्य परिदृश्यों' में 12 भव्य किले शामिल हैं जिनमें से 11 महाराष्ट्र में और 1 तमिलनाडु में हैं। जब हम गौरवशाली मराठा साम्राज्य की बात करते हैं, तो हम इसे सुशासन, सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक कल्याण पर ज़ोर से जोड़ते हैं। ये महान शासक किसी भी अन्याय के आगे न झुकने के अपने साहस से हमें प्रेरित करते हैं।

मैं सभी से इन किलों को देखने और मराठा साम्राज्य के समृद्ध इतिहास के बारे में जानने का आह्वान करता हूं।"

"यहां 2014 में रायगढ़ किले की मेरी यात्रा की तस्वीरें हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज को नमन करने का अवसर मिला। उस यात्रा को मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।"

केंद्रीय कृषि ने भोपाल में आयोजित 'रोजगार मेला' में अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए

-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पारदर्शी प्रक्रिया के साथ युवाओं को मिल रहा है रोजगार- चौहान

दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मध्य प्रदेश, भोपाल में आयोजित प्रधानमंत्री रोजगार मेले में अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी हेतु नियुक्ति पत्र वितरित किए। रोजगार मेले के माध्यम से देशभर में आज 51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी हेतु नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रमों को संबोधित किया।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संबोधित करते हुए कहा कि "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन भारत के लिए वरदान है। विकसित भारत के निर्माण का महायज्ञ उनके नेतृत्व में चल रहा है। सभी क्षेत्रों में बहुत व्यापक काम हो रहा है। रोजगार की दृष्टि से देखें तो प्रधानमंत्री मोदी का यह कार्यकाल स्वर्णिम काल है। 25 करोड़ से ज़्यादा लोग गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं। उन्होंने गरीबी को जड़ से उखाड़ कर फेंक दिया है।"

आगे केंद्रीय मंत्री ने कहा कि "डायरेक्ट एम्प्लॉयमेंट हो या इनडायरेक्ट — अगर सीधे रोजगार की दृष्टि से देखें, शासकीय सेवाओं में — तो 10 लाख से ज़्यादा नौजवानों को अब तक नियुक्ति पत्र देकर रोजगार दिया जा चुका है। उनमें से 51,200 से ज़्यादा को आज रेलवे सहित विभिन्न विभागों में सीधे शासकीय सेवा में सम्मिलित किया गया है — वह भी पूरी पारदर्शी प्रक्रिया के तहत, केवल योग्यता के आधार पर।"

अंत में चौहान ने कहा कि "इन सभी नौजवानों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह रोजगार केवल इनके लिए नहीं है — विकसित भारत के निर्माण में ये सभी प्रधानमंत्री के सहयोगी रूप में दिन-रात काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस विजन और सोच के लिए उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद।"

उत्तर भारत में बारिश का कहर: चित्रकूट में बाढ़, मंडी में लैंडस्लाइड

-छत्तीसगढ़ में युवक का रेस्क्यू, राजस्थान के 13 जिलों में बारिश

नई दिल्ली/भोपाल । उत्तर भारत में लगातार तेज बारिश ने कई राज्यों में हालात बिगाड़ दिए हैं। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में मंदाकिनी नदी उफान पर है और लगातार बारिश से सड़कों पर 3 से 5 फीट तक पानी भर गया है। ड्रोन फुटेज में शहर के मुख्य इलाकों में हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। रामघाट पर बने पुल के ऊपर से पानी बह रहा है, वहीं 30 फीट ऊंचा फुट ओवर ब्रिज भी डूब चुका है। घर, स्कूल, मंदिर, होटल, घाट, दुकानें और पुल सब पानी में डूबे हुए हैं। कानपुर में भी तेज बारिश के कारण रेलवे ट्रैक धंस गया, जिससे ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है।

हिमाचल प्रदेश में भी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। मंडी जिले में पंडोह डैम के पास कैंची मोड़ पर लैंडस्लाइड हुआ, जिसके कारण चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे दोनों ओर से बंद हो गया। यहां सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं और कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। राज्यभर में 250 सड़कें बंद हैं, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

राजस्थान के बीकानेर, झुंझुनूं सहित 13 जिलों में शुक्रवार को 4 इंच तक बारिश हुई। धौलपुर में पार्वती नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। श्रीमाधोपुर में दुकानों में पानी घुस गया और फलोदी में शहर के बीच पानी नदी की तरह बहने लगा।

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में बाकी नदी में युवक बह गया, जिसे पुलिस और स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद रेस्क्यू किया। राज्य में 1 जून से अब तक 362.1 मिमी औसत बारिश रिकॉर्ड की गई है। आज रायपुर, बलौदा-बाजार, जांजगीर-चांपा, बलरामपुर, कोरिया सहित 13 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में इन राज्यों में और बारिश की संभावना जताई है। उत्तर भारत के कई इलाकों में लोग घरों में कैद हैं और प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं। NDRF और स्थानीय प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी है।

केंद्र और राज्य सरकारों ने नागरिकों से सावधानी बरतने, सुरक्षित स्थानों पर जाने और अनावश्यक रूप से नदियों और पानी भरे इलाकों में न जाने की अपील की है।

इस मानसून सीजन में लगातार हो रही भारी बारिश ने जहां एक ओर गर्मी से राहत दी है, वहीं बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

जयपुर में स्मार्ट मीटर के खिलाफ खाचरियावास का पैदल मार्च

-बोले- बिना खराबी मीटर बदलना गलत, सरकार घोटाले की तैयारी में

जयपुर। राजस्थान में स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर सरकार के फैसले पर सियासत तेज हो गई है। शनिवार को जयपुर में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने स्मार्ट मीटर योजना के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने निवास से अजमेर रोड स्थित बालाजी मंदिर तक पैदल मार्च किया और सरकार पर बिना कारण मीटर बदलवाकर जनता पर जबरन बोझ डालने का आरोप लगाया।

सही मीटर हटाना आज़ादी के बाद पहली बार देखा'

खाचरियावास ने आरोप लगाया कि सरकार निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए सही-सलामत चल रहे पुराने मीटरों को भी हटवा रही है। उन्होंने कहा, "आजादी के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है कि कोई सरकार ठीक काम कर रहे मीटर को बदल रही है। यह सीधा-सीधा जनता के साथ अन्याय है।"

उन्होंने कहा कि नियमानुसार तभी नया मीटर लगाया जा सकता है, जब पुराना खराब हो। लेकिन फिलहाल पूरे शहर में निजी एजेंसियों की टीमें लोगों के घरों पर पहुंचकर डराने-धमकाने और जबरन मीटर बदलवाने का काम कर रही हैं।

10 हजार करोड़ के टेंडर से बड़े घोटाले का आरोप

पूर्व मंत्री ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह योजना सिर्फ बिजली सुधार की नहीं, बल्कि एक बहुत बड़े घोटाले की तैयारी है। उन्होंने कहा, "सरकार 10 हजार करोड़ रुपये के टेंडर के बहाने एक विशाल घोटाले की जमीन तैयार कर रही है। स्मार्ट मीटर में चिप लगी होती है, जिससे हर उपभोक्ता का डेटा सरकार के पास पहुंचता है। इससे निजी जानकारी की सुरक्षा पर भी खतरा है।"

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि एक क्लिक से ऑफिस में बैठा अधिकारी किसी भी उपभोक्ता की बिजली काट सकेगा, जिससे लोगों की आज़ादी और जीवनशैली पर असर पड़ेगा।

हनुमान चालीसा का पाठ कर जताया विरोध

इस विरोध के दौरान खाचरियावास अपने समर्थकों के साथ बालाजी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। उनके साथ बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और व्यापारी भी शामिल हुए, जो स्मार्ट मीटर के विरोध में खुलकर सामने आ रहे हैं।

'जनता के हक की लड़ाई'

खाचरियावास ने साफ कहा कि यह प्रदर्शन किसी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि आम जनता के हक की लड़ाई है। "यह आवाज हर घर की है, जो आज अपने अधिकारों के लिए उठाई जा रही है। स्मार्ट मीटर के नाम पर हो रही जबरदस्ती के खिलाफ हम सड़कों से लेकर सदन तक लड़ेंगे," उन्होंने कहा।

सरकार की चुप्पी पर भी सवाल

पूर्व मंत्री ने सरकार से मांग की कि वह स्पष्ट करे कि जिन मीटरों में कोई खराबी नहीं है, उन्हें क्यों बदला जा रहा है? उन्होंने कहा कि यदि सरकार जवाब नहीं देती, तो यह आंदोलन शहर ही नहीं, प्रदेशभर में फैलाया जाएगा।

जयपुर में हेरिटेज नगर निगम की बड़ी कार्रवाई

-28 मीट-मांस की दुकानें सीज, व्यापारियों ने जताया विरोध

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम ने शनिवार को जयपुर शहर के परकोटे क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित हो रही मीट और मांस की दुकानों पर बड़ी कार्रवाई की। निगम की पशु प्रबंधन शाखा ने वार्ड 62 और 65 में 28 दुकानों को नियमों के उल्लंघन के चलते सीज कर दिया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय व्यापारियों ने विरोध किया, लेकिन निगम की टीम ने सतर्कता दस्ते की मदद से अभियान को जारी रखा।

शिकायतों के बाद हुई कार्रवाई

नगर निगम हेरिटेज के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश शर्मा ने बताया कि लंबे समय से इन इलाकों में नियमों के खिलाफ मीट की दुकानें चलने की शिकायतें मिल रही थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद निगम की पशु प्रबंधन शाखा की टीम मौके पर पहुंची और निरीक्षण के बाद 28 दुकानों को सीज कर दिया गया।

24 आवारा कुत्तों का भी हुआ रेस्क्यू

सिर्फ मीट दुकानों पर ही नहीं, बल्कि इलाके में घूम रहे आवारा कुत्तों को भी इस अभियान में कवर किया गया। कुल 24 श्वानों को निगम की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर भिजवाया।

कार्रवाई के दौरान विरोध, लेकिन नहीं रुकी टीम

जब निगम की टीम दुकानों को सील कर रही थी, उसी दौरान वहां मौजूद व्यापारियों ने विरोध करना शुरू कर दिया। दुकानें बंद किए जाने पर बहसबाज़ी और नाराजगी का माहौल बन गया। स्थिति को देखते हुए सतर्कता दस्ते को मौके पर तैनात किया गया, जिन्होंने स्थिति को संभालते हुए समझाइश दी और कार्रवाई को शांतिपूर्वक संपन्न करवाया।

कमिश्नर ने दी सख्त चेतावनी

नगर निगम की कमिश्नर डॉ. निधि पटेल ने कहा कि यह कार्रवाई सिर्फ शुरुआत है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इसी तरह की सख्ती आगे भी जारी रहेगी। बिना अनुमति, गंदगी फैलाने और स्वास्थ्य मानकों का पालन न करने वाली दुकानों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

व्यापारियों की नाराजगी

वहीं, दुकानदारों ने इस कार्रवाई को एकतरफा और अचानक बताते हुए नाराजगी जताई है। कुछ व्यापारियों का कहना है कि उन्हें पहले से कोई नोटिस नहीं मिला और बिना पूर्व चेतावनी दुकानें सीज कर दी गईं।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद परकोटा क्षेत्र में हड़कंप का माहौल रहा और अन्य दुकानदारों में भी भय देखा गया।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

बिरसा मुंडा की शहादत के 125 साल: अबुआ आंदोलन की चेतना और आज की ज़रूरत

आज बिरसा मुंडा की शहादत के 125 वर्ष पूरे हो रहे हैं। 9 जून 1900 को अंग्रेजों ने रांची जेल में बिरसा मुंडा की हत्या कर दी थी। सिर्फ 25 साल की उम्र में बिरसा मुंडा शहीद हो गए, लेकिन उनके संघर्ष ने झारखंड और पूरे आदिवासी समाज में जो चेतना जगाई, वह आज भी जिंदा है। बिरसा ने जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को सिर्फ विरोध तक सीमित नहीं रखा बल्कि उसे अस्मिता और आत्मसम्मान की लड़ाई बना दिया। उन्होंने अंग्रेजों और जमींदारों द्वारा आदिवासी जमीन की लूट का डटकर विरोध किया और अपने लोगों को एकजुट कर 'अबुआ दिसुम, अबुआ राज' (हमारा देश, हमारा राज) का नारा दिया, जो आज भी आदिवासी आंदोलनों की आत्मा बना हुआ है। बिरसा का जन्म 15 नवंबर 1875 को उलिहातू गांव में हुआ था। उनका बचपन गरीबी में बीता, लेकिन उन्होंने अपने भीतर एक नेतृत्व की भावना बचपन से ही पाल ली थी। ब्रिटिश शासन के समय जब आदिवासियों की जमीनें छीनी जा रही थीं और उन्हें बेगारी में झोंका जा रहा था, बिरसा ने इसका कड़ा विरोध किया। उन्होंने अपने लोगों को अपने हक के लिए लड़ना सिखाया। बिरसा ने अंग्रेजों के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध छेड़ा और उनके अत्याचारों का विरोध किया। उनका आंदोलन सिर्फ राजनीतिक नहीं था बल्कि उसमें धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना भी थी। उन्होंने अपने समाज से शराब और सामाजिक बुराइयों को दूर करने का आह्वान किया। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को उनके हक और जंगल-जमीन बचाने के लिए एकजुट किया। उनका आंदोलन 'अबुआ आंदोलन' के नाम से जाना गया, जिसने जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के हक को पहचान दिलाई। बिरसा ने जब आदिवासियों को बताया कि यह जमीन उनकी है और वह अपने जल-जंगल की रक्षा कर सकते हैं, तब आदिवासियों में आत्मविश्वास लौटा। अंग्रेज शासन की जमींदारी व्यवस्था और वन कानूनों के खिलाफ उनका विद्रोह जंगल-जमीन पर आदिवासी अधिकारों की पहली मजबूत आवाज बना। उन्होंने अपने साथियों के साथ जंगल में रहकर अंग्रेज चौकियों पर हमला किया, जमींदारों की लूट का विरोध किया और आदिवासी गांवों को एकजुट किया। 9 जून 1900 को रांची जेल में बिरसा की मौत की खबर जब जंगलों में पहुंची, तो आदिवासी समाज में शोक और आक्रोश फैल गया। अंग्रेजों ने सोचा कि बिरसा की मौत से आंदोलन खत्म हो जाएगा, लेकिन यह आंदोलन खत्म नहीं हुआ। बिरसा मुंडा ने जो बीज बोया, वह आज भी आदिवासी युवाओं के मन में हक और हिम्मत की लौ जलाता है। आज झारखंड और देश के अन्य हिस्सों में जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए चल रहे हर आंदोलन में बिरसा का नाम और उनके विचार सुनाई देते हैं। आज जब बिरसा मुंडा की शहादत को 125 वर्ष पूरे हो रहे हैं, तब यह समय उनके आंदोलन की आत्मा को याद करने का है। आज भी देश के कई हिस्सों में आदिवासी अपनी जमीन और जंगल बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आज भी विकास के नाम पर जंगल और जमीन छीनने की कोशिशें जारी हैं। ऐसे में बिरसा मुंडा के 'अबुआ दिसुम, अबुआ राज' की भावना को फिर से मजबूत करने की जरूरत है। बिरसा ने हमें दिखाया कि जल, जंगल और जमीन केवल संसाधन नहीं, बल्कि पहचान और अस्मिता का हिस्सा हैं। बिरसा मुंडा की शहादत हमें याद दिलाती है कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक नहीं होती, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता भी उतनी ही जरूरी है।

पारम्परिक ज्ञान: हमारी धरोहर और खजाना, वैज्ञानिक प्रमाण और संरक्षण आज क्यों ज़रूरी

-पारम्परिक ज्ञान का अर्थ और महत्व क्या है

भारत की मिट्टी ने न जाने कितने युगों से ऐसे ज्ञान और अनुभवों को जन्म दिया है, जो आज भी इंसानियत के लिये रहनुमाई का काम कर रहे हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने, किसानों ने, दाइयों ने, घरेलू और पारम्परिक चिकित्सकों ने, और गाँव की साधारण महिलाओं ने भी ऐसे तरीकों को अपनाया, जो बिना किसी आधुनिक लैब के प्रयोग के ही जीवन के लिये लाभकारी साबित हुए। यह पारम्परिक ज्ञान असल में हमारी विरासत और हमारी ज़मीन से जुड़ा खजाना है। मगर इस खजाने को आधुनिक वैज्ञानिक कसौटी पर कसकर प्रमाणित करना आज के समय में बहुत ज़रूरी हो गया है ताकि यह न सिर्फ सुरक्षित रह सके बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिये भी लाभकारी सिद्ध हो सके।

पारम्परिक ज्ञान का स्वरूप

हमारे गाँवों में अजवाइन पानी से लेकर हल्दी दूध तक, तुलसी काढ़ा से लेकर नीम पत्ती के लेप तक, सरसों तेल की मालिश से लेकर मिट्टी से स्नान तक, ये सब सिर्फ घरेलू नुस्खे नहीं हैं बल्कि सदियों से चले आ रहे वे पारम्परिक उपाय हैं जो मानव स्वास्थ्य को सुरक्षित और सशक्त बनाते आये हैं। पारम्परिक कृषि पद्धतियों में भी बीजों का संरक्षण, प्राकृतिक खाद का प्रयोग, वर्षा जल का संग्रह और मिट्टी की उर्वरता को बनाये रखने की तकनीकें हमारे पूर्वज जानते थे। महिलाओं ने बच्चों की देखभाल में पारम्परिक खान-पान और दवाओं का प्रयोग कर कुपोषण से लड़ाई लड़ी। आदिवासी समाज ने जड़ी-बूटियों और पौधों की विशेषताओं को पहचानकर दवाओं का विकास किया। मगर ये सब अनुभव आधारित ज्ञान था, इसका वैज्ञानिक स्वरूप में दस्तावेज़ीकरण और सत्यापन कम हुआ।

पारम्परिक ज्ञान और वैज्ञानिकता

कुछ लोग यह मानते हैं कि पारम्परिक ज्ञान सिर्फ अंधविश्वास पर आधारित होता है, लेकिन यह धारणा पूरी तरह सही नहीं है। असल में पारम्परिक ज्ञान भी अपने समय की वैज्ञानिकता से जुड़ा रहा, बस अंतर इतना है कि उस समय प्रमाणित करने की पद्धतियाँ आधुनिक जैसी नहीं थीं। उदाहरण के लिये हल्दी के एंटीसेप्टिक गुण, दालचीनी के ब्लड शुगर कंट्रोल में योगदान, तुलसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता और नीम की एंटीबैक्टीरियल क्वालिटी को आज विज्ञान भी स्वीकार कर चुका है। योग और प्राणायाम पर भी विज्ञान ने शोध कर यह प्रमाणित किया कि यह श्वसन तंत्र, मानसिक स्वास्थ्य और प्रतिरोधक क्षमता के लिये लाभकारी है।

वैज्ञानिक सत्यापन क्यों ज़रूरी है

आज के युग में जब हम दवाओं, कृषि पद्धतियों, खान-पान की चीज़ों और लाइफस्टाइल को अपनाते हैं, तो उनके असर, नुकसान और लाभ की वैज्ञानिक जानकारी ज़रूरी हो जाती है। बिना वैज्ञानिक सत्यापन के पारम्परिक ज्ञान का दायरा सीमित रह जाता है और कई बार लोग इसे झूठे दावों से जोड़कर बदनाम कर देते हैं। अगर हम पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों जैसे आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, होम रेमेडीज़ आदि को वैज्ञानिक भाषा में प्रमाणित करेंगे तो यह विश्व स्तर पर स्वीकार्य बन सकती हैं। इससे न सिर्फ हमारे पारम्परिक ज्ञान की वैश्विक पहचान बनेगी, बल्कि यह हमारे देश की अर्थव्यवस्था को भी मज़बूती देगी।

पारम्परिक ज्ञान के वैज्ञानिक परीक्षण के फायदे

भरोसे में बढ़ोतरी: वैज्ञानिक प्रमाण से लोगों का भरोसा बढ़ता है और वे इसे अपनाने में झिझकते नहीं।

सुरक्षा की पुष्टि: पारम्परिक ज्ञान में प्रयुक्त जड़ी-बूटियों या तकनीकों की सही मात्रा, उपयोग की विधि और संभावित दुष्प्रभाव का ज्ञान हो पाता है। वैश्विक स्वीकार्यता: जब पारम्परिक ज्ञान प्रमाणित होता है, तो इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में दवाओं और स्वास्थ्य उत्पादों के रूप में बेचा जा सकता है। समानांतर चिकित्सा विकल्प: आधुनिक दवाओं के साथ पारम्परिक उपाय भी बीमारी की रोकथाम और उपचार में सहयोगी बन सकते हैं। नयी खोजों में मदद: पारम्परिक ज्ञान पर रिसर्च से नई दवाओं और तकनीकों का विकास हो सकता है।

वैज्ञानिक सत्यापन की चुनौतियाँ

हालाँकि पारम्परिक ज्ञान का वैज्ञानिक सत्यापन आवश्यक है, लेकिन इसमें कई चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। पहली चुनौती है

इसके ज्ञान का एकत्रीकरण और दस्तावेज़ीकरण, क्योंकि बहुत सा ज्ञान मौखिक रूप में गांव और आदिवासी समाज में सुरक्षित है। दूसरी चुनौती है पारम्परिक जड़ी-बूटियों की शुद्धता और सही पहचान, क्योंकि गलत जड़ी-बूटी का उपयोग नुकसान पहुँचा सकता है। तीसरी चुनौती है रिसर्च के लिये फंडिंग और वैज्ञानिक संसाधनों की कमी। चौथी चुनौती है पेटेंट और बौद्धिक संपदा अधिकार, ताकि हमारी संपदा का दुरुपयोग न हो सके। इसके अलावा वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति की सोच में भी अंतर रहता है, जिसे संतुलित करना आसान नहीं।

भारत में पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण और सत्यापन के प्रयास

भारत सरकार ने TKDL (Traditional Knowledge Digital Library) के रूप में पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण के लिये एक डिजिटल डेटाबेस तैयार किया है, जिसमें हजारों फार्मुले, योगा पद्धतियाँ और पारम्परिक उपचार पद्धतियाँ दर्ज की गई हैं। आयुष मंत्रालय भी पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों के वैज्ञानिक प्रमाणीकरण के लिये रिसर्च करवा रहा है। CSIR, ICMR और कई आयुर्वेदिक संस्थान पारम्परिक नुस्खों पर प्री-क्लिनिकल और क्लिनिकल ट्रायल कर रहे हैं। कई विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में पारम्परिक कृषि पद्धतियों की वैज्ञानिकता पर भी रिसर्च चल रही है, ताकि किसानों को सस्ते, प्राकृतिक और टिकाऊ विकल्प दिए जा सकें।

कृषि में पारम्परिक ज्ञान का वैज्ञानिक महत्व

हमारे किसानों ने सदियों से फसलों की चक्रवृद्धि, प्राकृतिक कीटनाशकों, देसी बीजों, और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों का उपयोग किया, जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रही और पर्यावरण भी सुरक्षित रहा। आज के समय में रासायनिक खाद और कीटनाशकों ने मिट्टी और जल को प्रदूषित कर दिया है। अगर हम पारम्परिक तरीकों को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित करके आधुनिक कृषि में लागू करें, तो यह हरित क्रांति के साथ 'हरित स्थिरता' भी ला सकता है।

पारम्परिक चिकित्सा में वैज्ञानिक रिसर्च

आज नीम के एंटीबैक्टीरियल गुणों पर, हल्दी के कर्क रोग रोकने की क्षमता पर, आंवला के एंटीऑक्सीडेंट गुणों पर, तुलसी की प्रतिरक्षा शक्ति बढ़ाने की क्षमता पर दुनिया भर में शोध हो रहे हैं। पारम्परिक योग पद्धतियों को भी आधुनिक विज्ञान ने प्रमाणित कर दिया है। ऐसे में अब ज़रूरी है कि आयुर्वेद और पारम्परिक घरेलू उपचारों पर क्लिनिकल ट्रायल और वैज्ञानिक परीक्षण तेजी से किये जाएँ। इससे कई बीमारियों के लिये सस्ते, टिकाऊ और सुरक्षित उपचार विकल्प दुनिया को मिल सकते हैं।

सामाजिक और आर्थिक लाभ

पारम्परिक ज्ञान का वैज्ञानिक सत्यापन कर हम ग्रामीण और आदिवासी समुदाय को सशक्त बना सकते हैं। जड़ी-बूटी उगाने और उनके उपचारात्मक उत्पाद तैयार करने से उनके लिये आजीविका के साधन बनेंगे। यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मज़बूती देगा। पारम्परिक कृषि पद्धतियों से किसानों की लागत घटेगी और प्राकृतिक उत्पादों की मांग बढ़ेगी। जब ये उत्पाद विश्व स्तर पर बिकेंगे, तो देश को भी विदेशी मुद्रा प्राप्त होगी और पारम्परिक ज्ञान की प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी।

नई पीढ़ी को जोड़ना ज़रूरी

आज की नई पीढ़ी मोबाइल और इंटरनेट के ज़माने में पली बढ़ी है। पारम्परिक ज्ञान को पुरानी चीज़ मानकर वह इससे दूर होती जा रही है। अगर हम इसे वैज्ञानिक प्रमाणों और आधुनिक रिसर्च के साथ उन्हें बताएँ, तो उनमें रुचि पैदा होगी। स्कूलों में पारम्परिक कृषि, आयुर्वेद, योग, और जड़ी-बूटी ज्ञान पर प्रैक्टिकल आधारित शिक्षा दी जाए, तो यह ज्ञान आगे भी सुरक्षित रहेगा। भारत का पारम्परिक ज्ञान वास्तव में हमारी सभ्यता, प्रकृति और अनुभवों का खजाना है। मगर यह खजाना तभी सुरक्षित रहेगा जब हम इसे वैज्ञानिक कसौटी पर कसकर प्रमाणित करें और इसे नए स्वरूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत करें। पारम्परिक ज्ञान और विज्ञान कोई विरोधी नहीं बल्कि पूरक हैं। विज्ञान से यह ज्ञान और अधिक सुरक्षित, प्रभावी और वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य बन सकता है। यह न सिर्फ हमारी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखेगा बल्कि आत्मनिर्भर भारत और वैश्विक स्वास्थ्य में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। अब समय है कि हम इस अमूल्य धरोहर को संभालें, इसे रिसर्च के ज़रिये मज़बूत करें और इसे अगली पीढ़ियों के लिये एक शक्तिशाली और सुरक्षित खजाने के रूप में सौंपें। भारत का पारम्परिक ज्ञान हमारी सभ्यता और प्रकृति से जुड़ा अमूल्य खजाना है। हल्दी, तुलसी, नीम, देसी बीज, प्राकृतिक खाद, योग और घरेलू उपचार सदियों से हमारी जीवनशैली का हिस्सा रहे हैं। गाँवों और आदिवासी समाज ने जड़ी-बूटियों और पारम्परिक कृषि के ज़रिये स्वास्थ्य और पर्यावरण को सुरक्षित रखा। आज विज्ञान भी हल्दी के एंटीसेप्टिक, नीम के एंटीबैक्टीरियल, तुलसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता और योग के स्वास्थ्य लाभों को प्रमाणित कर चुका है। हालांकि, बदलते समय में इस ज्ञान को वैज्ञानिक कसौटी पर परखना ज़रूरी है ताकि यह सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियों के लिये उपयोगी बन सके। वैज्ञानिक प्रमाण मिलने से पारम्परिक ज्ञान को वैश्विक पहचान मिल सकती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मज़बूती मिल सकती है।

तुर्की का पमुक्कले: खनिजों से बना सफेद 'कॉटन पैलेस'

-जहां गर्म पानी की झीलें बिछी हैं आसमान तक

तुर्की की सरज़मीं पर बसा एक सफ़ेद जन्नत, जो दूर से देखने में किसी बर्फ़ से ढकी पहाड़ी जैसा लगता है, लेकिन हकीकत में यह खनिजों से भरपूर गर्म पानी से बना 'कॉटन पैलेस' है। तुर्की की स्थानीय भाषा में इसे 'पमुक्कले' कहा जाता है, जिसका मतलब होता है 'कॉटन का किला'। पमुक्कले अपने नैचुरल हॉट स्प्रिंग्स, सफ़ेद टेरेस और पानी के बहते हुए झरनों के कारण पूरी दुनिया में मशहूर है। यहाँ हर साल लाखों लोग इस अजूबे को देखने और इसके पानी में नहाने के लिए आते हैं। तुर्की का पमुक्कले डेनिजली प्रांत में स्थित है, जो इस्तांबुल से करीब 570 किलोमीटर दूर है। यहाँ गर्म पानी के झरनों से बहकर आने वाला खनिजयुक्त पानी सैकड़ों सालों से धीरे-धीरे जमा होता गया, जिससे यहाँ सफेद रंग के टेरेस यानी छोटे-छोटे तालाब जैसी आकृतियाँ बन गईं। दूर से देखने पर यह जगह रुई के पहाड़ की तरह दिखती है। इसीलिए इसे 'कॉटन पैलेस' कहा जाने लगा।

कैसे बना यह कॉटन पैलेस?

पमुक्कले की इस खूबसूरती के पीछे प्रकृति की गहराई से चल रही भूगर्भीय गतिविधियाँ हैं। इस इलाके में टेक्टोनिक प्लेट्स की हलचल के कारण धरती के नीचे से गर्म पानी और खनिजों का बहाव होता रहता है। यहाँ के पानी में कैल्शियम कार्बोनेट की मात्रा बहुत अधिक है। जब यह पानी सतह पर आता है, तो हवा के संपर्क में आने के बाद पानी का तापमान घटता है और इसमें मौजूद कैल्शियम कार्बोनेट धीरे-धीरे जमने लगता है। इस जमाव के कारण सफेद रंग की मोटी परतें बन जाती हैं, जिससे पमुक्कले में खूबसूरत सफेद टेरेस और पानी के छोटे-छोटे तालाब बन गए हैं। पानी का तापमान यहाँ करीब 35 से 100 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। पानी धीरे-धीरे नीचे की ओर बहता रहता है और नई परतें बनाता चला जाता है। यह प्रक्रिया हज़ारों सालों से चल रही है, जिससे पमुक्कले की यह अद्‌भुत खूबसूरती बनी हुई है।

रोमन साम्राज्य और पमुक्कले का इतिहास

पमुक्कले के पास ही 'हिएरापोलिस' नाम का प्राचीन रोमन शहर भी है, जो कभी रोमन साम्राज्य का हिस्सा हुआ करता था। कहा जाता है कि दूसरी सदी में इस क्षेत्र में रोमन लोगों ने इस गर्म पानी और खनिजों से इलाज करने की क्षमता को समझा और यहाँ एक स्पा टाउन बसा लिया। हिएरापोलिस में उस समय स्नानगृह, मंदिर, थिएटर और दूसरी इमारतें बनाई गईं। यहाँ का पानी गठिया, त्वचा की बीमारियों और कई दूसरी बीमारियों के इलाज में कारगर माना जाता था। रोमन राजा और सेनापति भी यहाँ स्नान करने और आराम पाने के लिए आया करते थे। आज भी पमुक्कले और हिएरापोलिस यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल हैं। पर्यटक यहाँ सफेद टेरेस में नहाने के साथ-साथ प्राचीन रोमन शहर के खंडहर भी देखने आते हैं। हिएरापोलिस में एक विशाल थिएटर, पुराने स्नानागृह और कब्रिस्तान देखने को मिलते हैं, जो रोमन वास्तुकला का बेहतरीन उदाहरण हैं।

पमुक्कले का हॉट स्प्रिंग्स में स्नान का अनुभव

यहाँ आने वाले पर्यटक पमुक्कले के गर्म पानी में पैरों को डुबोकर सफेद टेरेस पर चलते हैं। पानी में मिनरल्स की मात्रा अधिक होने के कारण इसका रंग हल्का नीला और दूधिया दिखाई देता है। सूर्य की रोशनी में यह झीलें और भी खूबसूरत लगती हैं। गर्म पानी में पैर डालते ही एक सुकून और आराम का एहसास होता है। यहाँ के पानी में स्नान करने से त्वचा की बीमारियाँ, जोड़ों के दर्द और शरीर के तनाव को कम करने में मदद मिलती है। इसलिए यहाँ के पानी को 'हीलिंग वॉटर' कहा जाता है। हालांकि, पर्यावरण की रक्षा के लिए अब पमुक्कले में टेरेस पर जूते पहनकर जाना मना है और बहुत से हिस्सों में लोगों का जाना भी प्रतिबंधित है ताकि प्राकृतिक संरचना बनी रहे। कुछ जगहों पर ही लोगों को स्नान करने और टहलने की अनुमति दी जाती है।

पमुक्कले और पर्यटन

पमुक्कले तुर्की के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। हर साल लाखों लोग यहाँ घूमने आते हैं। यहाँ सुबह और शाम के समय का नज़ारा बेहद मनमोहक होता है। सूरज की रोशनी में पानी की सतह पर पड़ती चमक सफेद टेरेस को सुनहरे रंग में रंग देती है। लोग यहाँ बैठकर घंटों इस दृश्य को निहारते रहते हैं। यहाँ का सबसे अच्छा समय अप्रैल से अक्टूबर के बीच माना जाता है। इस दौरान मौसम खुशनुमा रहता है और टेरेस में पानी का स्तर भी सही रहता है। सर्दियों में यहाँ बर्फ गिरने की संभावना भी रहती है, जिससे यह जगह और भी खूबसूरत दिखने लगती है। गर्मियों में पमुक्कले के नज़ारे के साथ हिएरापोलिस का भ्रमण करना भी शानदार अनुभव बन जाता है।

पमुक्कले के आसपास के आकर्षण

पमुक्कले के पास ही हिएरापोलिस का प्राचीन थिएटर है, जो 12,000 दर्शकों की क्षमता रखता था। यहाँ बैठकर आप पमुक्कले का पूरा दृश्य देख सकते हैं। इसके अलावा हिएरापोलिस में 'क्लीओपेट्रा पूल' नाम की जगह भी है, जिसमें माना जाता है कि मिस्र की रानी क्लीओपेट्रा ने भी स्नान किया था। इस पूल में गर्म पानी और खंडहरों के बीच स्नान करना एक अनोखा अनुभव है। इसके अलावा, पमुक्कले म्यूजियम में हिएरापोलिस और आसपास के क्षेत्रों से मिले प्राचीन मूर्तियों, सिक्कों और अन्य चीज़ों को भी देखा जा सकता है।

पमुक्कले और पर्यावरण संरक्षण

पमुक्कले की प्राकृतिक सुंदरता को बचाए रखने के लिए तुर्की सरकार ने कई सख्त कदम उठाए हैं। पहले होटल और रेस्टोरेंट्स को टेरेस के पास बनाया गया था, लेकिन पानी के बहाव में रुकावट आने और प्राकृतिक संरचना को नुकसान पहुंचने के कारण उन सभी को हटा दिया गया। अब पानी के बहाव को नियंत्रित किया जाता है और हर समय किसी खास जगह पर ही पानी गिरने दिया जाता है ताकि जगह-जगह पर परतें बनती रहें। यहाँ पर्यटकों के लिए खास नियम बनाए गए हैं। लोग टेरेस में नंगे पांव ही चल सकते हैं। बहुत से हिस्सों में फोटो खींचने की अनुमति होती है, लेकिन कुछ जगहों पर प्रतिबंध भी है ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। पमुक्कले का प्राकृतिक सौंदर्य तुर्की की धरोहर है, जिसे बचाए रखना सबकी जिम्मेदारी है।

अशफाक उल्ला खां: आज़ादी की राह में हँसते-हँसते फाँसी चूमने वाला योद्धा

-काकोरी कांड: अंग्रेजी हुकूमत को दी खुली चुनौती

अशफाक उल्ला खां का जन्म 22 अक्टूबर 1900 में उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में हुआ था। उनके पिता एक पठान परिवार से ताल्लुक रखते थे। अशफाक के जीवन पर बंगाल के क्रांतिकारियों का खासा प्रभाव था। आजादी के संघर्ष में हिस्सा लेने के साथ-साथ वो कविता भी लिखते थे। अशफाक उल्ला खां को घुड़सवारी, निशानेबाजी और तैराकी का भी बेहद शौक था। अशफाक उल्ला खां को काकोरी कांड के चलते फांसी की सज़ा दी गई थी। 25 साल की उम्र में अशफाक ने चंद्रशेखर आजाद और रामप्रसाद बिस्मिल समेत अपने क्रांतिकारी साथियों के साथ मिलकर ब्रिटिश सरकार की नाक के नीचे से सरकारी खजाना लूट लिया था। इस घटना को 'काकोरी कांड' से जाना जाता है। 'काकोरी कांड' के लिए अशफाक उल्ला खां को उनके साथियों के साथ फैजाबाद की जेल में 19 दिसंबर 1927 को फांसी पर चढ़ा दिया गया। उनके साथ इस कांड में राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी को फांसी की सजा दी गई और दो साथियों को कालापानी की सजा दी गई थी।

परिचय: एक साहसी क्रांतिकारी का नाम

अशफाक उल्ला खां का नाम सुनते ही एक ऐसे नौजवान का चेहरा सामने आता है, जिसने अपनी जवानी मातृभूमि को आज़ाद कराने के ख्वाब में लगा दी। अशफाक उल्ला खां हिंदुस्तान के उन महान क्रांतिकारियों में शामिल थे जिन्होंने अपनी कुर्बानी से देश में आज़ादी की लौ को और तेज कर दिया। वह हिन्द-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे, जिन्होंने भगत सिंह, राम प्रसाद बिस्मिल और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों के साथ कदम से कदम मिलाकर अंग्रेजों की नींद हराम कर दी थी।

(2) जन्म और प्रारंभिक जीवन

अशफाक उल्ला खां का जन्म 22 अक्टूबर 1900 को उत्तर प्रदेश के

शाहजहांपुर में हुआ था। उनके पिता का नाम शफीक उल्ला खां और माता का नाम मजहूरुन्निशा बेगम था। परिवार धार्मिक था, लेकिन उनके दिल में बचपन से ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ गुस्सा पल रहा था। उनकी शिक्षा-दीक्षा शाहजहांपुर में ही हुई। पढ़ाई के दौरान ही उनके मन में स्वतंत्रता की चिंगारी सुलगने लगी थी।

(3) क्रांतिकारी जीवन की शुरुआत

अशफाक उल्ला खां का झुकाव आर्य समाज और उसके क्रांतिकारी विचारों की ओर हुआ। उन्होंने राम प्रसाद बिस्मिल के लेख पढ़े, जो क्रांतिकारी आंदोलन में सक्रिय थे। अशफाक उल्ला खां ने बिस्मिल से मिलने की इच्छा जताई, लेकिन बिस्मिल शुरू में किसी मुसलमान को अपने संगठन में लेने में हिचकिचा रहे थे। लेकिन जब अशफाक उल्ला खां ने उनकी ईमानदारी और देशभक्ति साबित की, तो दोनों के बीच गहरी मित्रता हो गई। यही मित्रता आगे चलकर काकोरी कांड की योजना तक पहुँची।

(4) काकोरी कांड और देश में हलचल

1925 में अशफाक उल्ला खां और उनके साथियों ने हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) की आर्थिक मदद के लिए अंग्रेज सरकार की ट्रेन में ले जाए जा रहे खजाने को लूटने की योजना बनाई। 9 अगस्त 1925 को लखनऊ के नजदीक काकोरी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को रोककर खजाना लूटा गया। इस घटना को 'काकोरी कांड' के नाम से जाना गया। इस घटना ने अंग्रेजों के होश उड़ा दिए और आज़ादी की लड़ाई में क्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा दी।

(5) गिरफ्तारी और मुकदमा

काकोरी कांड के बाद अंग्रेज सरकार ने सख्ती से क्रांतिकारियों की तलाश शुरू कर दी। अशफाक उल्ला खां कुछ समय तक फरार रहे। बाद में वह दिल्ली चले गए, जहां उन्हें अपने ही एक जान-पहचान वाले ने अंग्रेजों के हाथों गिरफ्तार करवा दिया। गिरफ्तारी के बाद उन पर मुकदमा चलाया गया और उन्हें फाँसी की सजा सुनाई गई। इस मुकदमे में राम प्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्र लाहिड़ी, रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खां को फाँसी की सजा सुनाई गई।

(6) जेल में दिन और इबादत

जेल में रहते हुए अशफाक उल्ला खां इबादत और कुरान की तिलावत में वक्त गुजारते थे। उनके दिल में मातृभूमि के लिए मोहब्बत और अल्लाह पर यकीन कायम रहा। उन्होंने जेल में अपने आखिरी दिनों में नमाज अदा की और तिलावत करते रहे। जेल में उनके हौसले और हिम्मत को देखकर जेल अधिकारी भी हैरान थे।

(7) फाँसी और अमर शहादत

19 दिसंबर 1927 को फैजाबाद जेल में अशफाक उल्ला खां को फाँसी दी गई। फाँसी के तख्ते पर जाते वक्त उनके चेहरे पर डर का नामोनिशान नहीं था। उन्होंने कहा था: "मेरे जिस्म को फाँसी दे सकते हो, लेकिन मेरे जज़्बे को नहीं मार सकते।" उनकी शहादत ने देश के युवाओं में आज़ादी की आग और भड़का दी। उनका नाम स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया।

(8) अशफाक उल्ला खां और हिन्द-मुस्लिम एकता

अशफाक उल्ला खां ने अपने जीवन में हमेशा हिन्द-मुस्लिम एकता को मजबूत करने का काम किया। उन्होंने बिस्मिल के साथ मिलकर क्रांतिकारी गतिविधियों में हिस्सा लिया और मजहबी फर्क को कभी आड़े नहीं आने दिया। उनका मानना था कि आज़ादी की लड़ाई में सभी भारतीय एक हैं और अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट होकर ही आज़ादी हासिल की जा सकती है।

(9) उनके विचार और प्रेरणा

अशफाक उल्ला खां ने अपने छोटे से जीवन में यह दिखा दिया कि आज़ादी के लिए त्याग और बलिदान ही सबसे बड़ा रास्ता है। उनका मानना था कि: गुलामी की ज़िंदगी से बेहतर है आज़ादी के लिए जान देना।

मज़हब से ऊपर देश होता है।

युवा शक्ति में वह ताकत है जो किसी भी हुकूमत को हिला सकती है।

(10) आज के युवाओं के लिए संदेश

आज जब देश आज़ाद है, तब भी अशफाक उल्ला खां के विचार हमें प्रेरित करते हैं। उन्होंने दिखाया कि देशप्रेम का मतलब सिर्फ नारे लगाना नहीं बल्कि उसके लिए अपने जीवन को दांव पर लगा देना भी है। आज के युवाओं को उनके जीवन से यह सीखना चाहिए कि अपने लक्ष्य के लिए संघर्ष करना ज़रूरी है, चाहे रास्ते में कितनी भी मुश्किलें क्यों न आएं।

(11) स्मृति और सम्मान

भारत सरकार ने उनकी स्मृति में डाक टिकट जारी किया। उनके नाम पर कई स्कूल, कॉलेज और सड़कों का नाम रखा गया। उनकी शहादत को याद करते हुए हर साल विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। फैजाबाद जेल, जहां उन्हें फाँसी दी गई थी, आज भी उनके बलिदान की कहानी कहती है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 'सहकार से समृद्धि' की भावना के साथ कमजोर वर्ग को सशक्त बना रही राज्य सरकार

- सहकारिता विभाग की योजनाओं का वृहद् स्तर पर आमजन को मिल रहा लाभ

- 75.52 लाख किसानों को 42 हजार 131 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। अन्त्योदय के संकल्प को साकार करने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। सहकारिता के महत्व के दृष्टिगत संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2025 को अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। राज्य सरकार 'सहकार से समृद्धि' की भावना के साथ समाज के कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सहकारिता विभाग ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

राज्य में नई सरकार के गठन से लेकर 30 जून, 2025 तक केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा 75.52 लाख किसानों को लगभग 42 हजार 131 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किये गए हैं। वर्ष 2025-26 में 35 लाख कृषकों को 25 हजार करोड़ रुपये के अल्पकालीन ऋण वितरित किये जाने का राज्य बजट में प्रावधान किया गया है। वहीं केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा उक्त अवधि में 805 करोड़ रुपये से अधिक के मध्यकालीन ऋण वितरित किये गए हैं। राजस्थान राज्य सहकारी बैंक एवं प्राथमिक भूमि विकास बैंकों द्वारा इस दौरान लगभग 232 करोड़ रुपये के दीर्घकालीन ऋण वितरित किये गए हैं।

इसी प्रकार, राज्य में नवीन सहकारी समितियों का गठन बड़े स्तर पर किया जा रहा है। जून, 2025 तक 216 नये पैक्स, 97 नये लैम्प्स और 313 नवीन ग्राम सेवा सहकारी समितियों का गठन किया गया है। राज्य बजट 2025-26 में आगामी दो वर्षों में शेष रही समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम सेवा सहकारी समितियों के गठन का प्रावधान किया गया है। इसके लिए समिति गठन के प्रावधानों में शिथिलता दी गई है। उक्त अवधि के दौरान 412 कस्टम हायरिंग सेंटर्स की स्थापना की गई है। वहीं, ग्राम सेवा सहकारी समितियों में 212 नये गोदामों का निर्माण किया गया है। इस अवधि में नये गोदामों के निर्माण पर लगभग 28 करोड़ रुपये की राशि व्यय की गई है।

राज्य सरकार ने विभिन्न नई योजनाएं लागू कर किसानों और पशुपालकों को सशक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। बजट वर्ष 2024-25 में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को 6000 रुपये के अतिरिक्त 2000 रुपये दिए जाने के लिए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का प्रावधान किया। योजना के तहत 30 जून, 2024 को 65 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 1000 रुपये प्रति कृषक के अनुसार कुल 653 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। योजना की दूसरी और तीसरी किश्त 70.21 लाख किसानों को 1000 रुपये प्रति कृषक के अनुसार कुल 702.18 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई।

राज्य सरकार ने बजट वर्ष 2025-26 में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसानों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत दी जाने वाली वार्षिक वित्तीय सहायता राशि 2000 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये कर दी है।

इसी प्रकार, डेयरी से संबंधित गतिविधियों जैसे- गौवंश के लिए शेड, खेली का निर्माण तथा दुग्ध/चारा/बांटा संबंधी उपकरण खरीदने के लिए गोपालक परिवारों को 1 लाख रुपये तक ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना लागू की गई। सहकारी भूमि विकास बैंकों के ऋणी किसानों और लघु उद्यमियों को राहत देने के लिए राज्य सरकार ने 200 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान कर मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना 2025-26 शुरू की है। योजना के अंतर्गत मूलधन जमा करवाने पर ब्याज में 100 प्रतिशत छूट का प्रावधान किया गया है। समस्त ब्याज राशि और वसूली खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन की जा रही है। योजना में 30 जून तक 4,882 ऋणियों को 81 करोड़ रुपये से अधिक की राहत प्रदान की गई है एवं 2,544 ऋणियों से 13.83 लाख रुपये की आंशिक वसूली प्राप्त की गई है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया 'राज्य स्तरीय युवा संकल्प अभियान' के पोस्टर का विमोचन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बीकानेर जिले में शनिवार को जनसंपर्क अधिकारियों के संगठन 'प्रसार' और निर्विकल्प फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले 'राज्य स्तरीय युवा संपर्क अभियान' के पोस्टर का विमोचन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवा कल्याण के लिए संकल्पबद्ध है। युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए सरकार की अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रसार और निर्विकल्प द्वारा विनय युवाओं तक पहुंचाई जाने की पहल सराहनीय है। प्रसार के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हरिशंकर आचार्य ने बताया कि प्रसार द्वारा निर्विकल्प फाउंडेशन के सहयोग से पहले चरण में प्रदेश के 11 जिलों में युवा संकल्प कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें रोजगार, उद्योग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, आरएसएलडीसी सहित विभिन्न विभागों की भागीदारी रहेगी। युवाओं को योजनाओं से सम्बंधित जानकारी दी जाएगी और आवश्यक आवेदन मौके पर करवाए जाएंगे।

निर्विकल्प फाउंडेशन के निदेशक डॉ. चंद्रशेखर श्रीमाली ने बताया कि युवा संकल्प अभियान के दौरान योजनाओं के प्रचार-प्रचार के साथ स्किल डेवलपमेंट, करियर काउंसलिंग, ऑन स्पॉट प्लेसमेंट, वित्तीय साक्षरता और निवेश की जानकारी भी दी जाएगी। पश्चिमी राजस्थान में सौर ऊर्जा की संभावनाएं और रोजगार की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए विशेषज्ञों का पैनल तैयार किया गया है।

मुस्लिम तेली समाज का 24 वां प्रतिभा सम्मान समारोह

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत जयपुर राजस्थान के तत्वाधान में आरको ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज एंड सोशल सर्विस का 24 वां प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार 13 जुलाई को प्रातः 10 बजे हज हाउस कर्बला जयपुर में किया जाएगा ।

अब्दुल लतीफ आरको ने बताया कि कक्षा 10 व 12 में मेरिट में आने वाले मुस्लिम विद्यार्थियों में शिक्षा की अलख जगाने के लिए उनको सम्मानित किया जाएगा।

अब्दुल लतीफ़ आरको के अनुसार इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टीकाराम जूली होंगे तथा बृज किशोर शर्मा पूर्व शिक्षा मंत्री राजस्थान, विधायक रफीक खान, विधायक आमीन कागजी, श्रीमती अर्चना शर्मा, एमडी चौपदार अध्यक्ष राजस्थान मदरसा बोर्ड अतिथि होंगे।

ऊर्जा मंत्री ने की रास्तों के दुरुस्तीकरण की समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने शनिवार को कोटा जिला कलेक्ट्रेट सभागार में रास्तों के दुरुस्तीकरण की समीक्षा बैठक लेकर निर्देश दिए कि यह कार्य अभियान के तौर पर निरंतर चलना चाहिए ताकि किसानों को परेशानी ना हो। साथ ही, मंत्री ने रास्तों के दुरुस्तीकरण की अग्रिम रूपरेखा भी रखी।

बैठक में ऊर्जा मंत्री ने उपखंड अधिकारी और तहसीलदार से रास्तों की स्थिति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि किसानों को बरसात में रास्तों को लेकर भी कोई समस्या ना आए, इसके लिए तत्परता से कार्य किया जाए। कीचड़ वाले रास्तों की छंटनी करके प्राथमिकता के आधार पर इन्हें पर ठीक कराएं।

मंत्री नागर ने कहा रास्ते उपलब्ध कराना हमारी प्रतिबद्धता है इसके लिए बड़ा काम हुआ है लेकिन जो भी शेष है उसे तत्परता से किया जाए। ग्रामीणों को जन सहभागिता से रास्ते बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए।

मंत्री नागर ने कहा कि ग्रेवल सड़क के लिए यदि फंड की समस्या है तो वीडियो की अनुशंसा पर विधायक कोष से राशि दी जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि खेतों के रास्ते को लेकर बेहतर काम करने वाले जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा जन सहयोग से गांव-गांव रास्तों के लिए मुहिम चलनी चाहिए ताकि अगली गर्मी तक किसी गांव में रास्ते की बड़ी समस्या ना रहे। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि स्वीकृत कार्यों में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही जनसहयोग से होने वाले कार्यों में कोई घालमेल नहीं होना चाहिए।

नगर कांग्रेस कमेटी ने नगर पालिका को ज्ञापन दिया

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर कांग्रेस कमेटी मनोहरपुर के अध्यक्ष अलाउद्दीन खां के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका को विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में शहर की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई है, जिनमें पट्टे जारी करने, रोड लाइट लगाने, सड़क बनवाने, नालीबनवाने, सुलभ शौचालय, बंदर और आवारा पशुओं को पकड़वाने, कचरे को रिसाइकल के माध्यम से निस्तारण और बस स्टैंड से सब्जी मंडी तक अवरुद्ध नालियों की सफाई और मरम्मत करवाने की मांग की हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवसर पर पूर्व सरपंच अर्जुन मोहनपुरिया, पार्षद प्रेम देवी, कैलाश गुर्जर, रवि कुमार मीणा, ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता राकेश हलकारा, खेमचन्द असवाल, गुलाब असवाल, हमीद खां, पंकज मिश्रा, विजेंद्र प्रजापत, धर्मवीर असवाल, मंगल सैनी, ताराचंद बेनीवाल, रामस्वरूप बेनीवाल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष निशार खोकर, हफीज खां, मुनीर मनियार, मनीष मालाकार आदि कांग्रेसजन उपस्तिथ थे।

गिव अप अभियान से प्रेरित होकर श्रीगंगानगर जिले में 72 हज़ार लोगों ने छोड़ी खाद्य सुरक्षा

-सितंबर तक सभी पात्र वंचितों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ना हमारा लक्ष्य- खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में विभाग निरंतर सभी पात्र वंचितों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य कर रहा है। अभी तक श्रीगंगानगर जिले में 72000 से अधिक लोग स्वेच्छा से अपना नाम हटवा चुके हैं। गोदारा शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित रसद विभाग की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने रसद विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि गिव अप अभियान के तहत लगातार आमजन को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना से नाम हटाने के लिए प्रेरित किया जाए। 31 अगस्त 2025 तक अधिक से अधिक लोगों को स्वेच्छा से नाम हटाने के लिए प्रेरित करने के लिए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए उचित मूल्य दुकानदारों से भी संपर्क किया जाए और लगातार समन्वय बनाकर कार्रवाई की जाए।

बैठक में अभियान के तहत अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए गोदारा ने कहा कि अभी तक जिले में 72 हजार से अधिक लोग स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना से नाम हटा चुके हैं। अभियान 31 अगस्त तक जारी रहेगा, इसलिए आधिकारिक लोगों को इसके लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने

कहा कि अच्छा काम करने वालों को स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

रात्रि चौपाल सहित अन्य कार्यक्रमों में गिव अप अभियान के तहत आमजन को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा से नाम हटाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश देते हुए गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार पात्र लोगों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल सके, इसके लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

विधायक यादव ने कृषि मंत्री को पत्र लिखकर उठाई यूरिया आपूर्ति की माँग

-खरीफ सीजन में खाद की भारी कमी,कालाबाजारी के बीच किसान लाइनों में हो रहे परेशान

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश सहित शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों यूरिया खाद की भीषण किल्लत के चलते किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खरीफ फसल की बुवाई का समय चल रहा है और इस समय बाजरा सहित अन्य फसलों की वृद्धि के लिए यूरिया की अत्यधिक आवश्यकता होती है, परंतु समय पर खाद नहीं मिलने से फसलों के नष्ट होने का खतरा मंडरा रहा है।

विधायक यादव ने इस मुद्दे को गंभीर किसान संकट बताते हुए राज्य सरकार और संबंधित विभागों से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहले से ही डीएपी खाद की कमी से खरीफ बुवाई प्रभावित रही और अब जब फसलें खड़ी हैं, तो यूरिया का अभाव किसानों की मेहनत पर पानी फेर रहा है।

विधायक ने कहा कि किसानों के पास गोबर व पारंपरिक खाद सीमित मात्रा में होती है, जिससे वे यूरिया पर पूर्णतः निर्भर रहते हैं। यूरिया खाद न केवल बीज अंकुरण में सहायक होती है, बल्कि पौधों की प्रारंभिक वृद्धि के लिए भी आवश्यक है।

विधायक ने कहा कि शाहपुरा क्षेत्र की सहकारी समितियों में किसान सुबह से शाम तक लाइन में खड़े रहते हैं, फिर भी उन्हें खाद नहीं मिल पा रही। दूसरी ओर, बाजार में खाद ऊँचे दामों पर खुलेआम बेची जा रही है, जिससे अन्नदाता को शोषण का सामना करना पड़ रहा है।

विधायक यादव ने कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीना से आग्रह किया कि जयपुर जिले के लिए खाद की रैक आवंटित कर शाहपुरा की समस्त सहकारी समितियों में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

विधायक ने कहा कि यदि खाद की आपूर्ति नहीं हुई तो फसलों को भारी नुकसान होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ेगा।

प्रधानमंत्री ने 51 हजार से अधिक युवाओं को दिए नियुक्ति पत्र

-केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री, सोलहवें रोजगार मेले का हुआ सीधा प्रसारण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रतियोगी परीक्षाओं की चयन प्रक्रिया को पूर्णतया पारदर्शी बनाया गया है। इससे योग्य युवाओं को बेहतर अवसर मिल रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने शनिवार को बीकानेर जिले के रेलवे अधिकारी क्लब में 16वें रोजगार मेले के सीधे प्रसारण के दौरान आयोजित कार्यकम के दौरान यह बात कही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित रोजगार मेले के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा देश भर के 51 हजार से अधिक युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार के नियुक्ति पत्र दिए गए। इस दौरान राजस्थान के 742 युवाओं को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री

मेघवाल ने कहा कि सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले युवा अपनी जिम्मेदारी को समझें तथा एक लोक सेवक के रूप में पूर्ण निष्ठा और जिम्मेदारी से कार्य करें। उन्होंने कहा कि यह उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव है। युवा इस दायित्व को पहचाने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने के स्वप्न को साकार करने में अपना योगदान दें। मेघवाल ने कहा कि सरकारी नौकरी के दौरान एक कार्मिक के जीवन में कई मोड़ आते हैं, जब उन्हें विवेक से निर्णय लेने की जरूरत होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच की बदौलत आज देशभर में स्वच्छता की अलख जगी है। रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प हुआ है।

वन राज्यमंत्री ने जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना

-अधिकारियों को परिवेदनाओं के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने अलवर जिले के सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने जनसुनवाई में आए पेयजल, विद्त, सडक, पुलिस आदि की परिवेदनाएं लेकर आए फरियादियों को संवेदनशीलता के साथ सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि समस्याओं का निराकरण होने पर उन्हें सूचित कर उनके संतुष्टि स्तर में वृद्धि करें।

उन्होंने निर्देश दिये कि आमजन को मूलभूत समस्याओं की प्राथमिकता से सुनवाई करें। इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अंतिम पंक्ति तक के पात्र व्यक्ति के कल्याण हेतु विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है जिनका जागरूक रहकर न केवल स्वयं लाभ उठाएं बल्कि अन्य पात्र व्यक्तियों को भी इन योजनाओं के प्रति जागरूक कर लाभांवित करावे।

वैध खनन को बढ़ावा देने की दिशा में भजनलाल शर्मा का महत्वपूर्ण निर्णय

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने क़ारी लाइसेंस धारकों एवं अप्रधान खनिज लीज धारकों को राहत प्रदान करते हुए खनन पट्टों की अवधि वृद्धि के प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने की तारीख 30 सितम्बर, 2025 तक बढ़ाने जाने की प्रशासनिक अनुमति प्रदान की है। इसके लिए राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली-2017 के नियम 9 (3ए) एवं नियम 10 (3ए) में संशोधन किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय से जहां राज्य सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी, वहीं अवैध खनन पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा। साथ ही, अवधि समाप्त क़ारी लाइसेंसों के डेलिनियेशन की कार्यवाही में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं से निजात मिलने के कारण करीब 2500 क़ारी लाइसेंस धारकों को राहत मिलेगी।

विभिन्न जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया गया था कि खान एवं भूविज्ञान विभाग के डीएमजी ऑनलाइन सिस्टम पर क़ारी लाइसेंस के डाटा ऑनलाइन अपडेट नहीं होने से बहुत से क़ारी लाइसेंसधारक अवधि वृद्धि का ऑनलाइन आवेदन पूर्व में निर्धारित तारीख 31 मार्च, 2025 तक करने से वंचित रह गए थे।

उल्लेखनीय है कि वैध खनन को बढ़ावा देने और खनिज क्षेत्र में ईज ऑफ डूइंग पर जोर देते हुए नियमों के सरलीकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। इस क्रम में अप्रधान खनिजधारकों को लीज अवधि बढ़ाने के लिए अलग-अलग स्तर पर आवेदन करने की आवश्यकता समाप्त करते हुए अप्रधान खनिज लीज अवधि में वृद्धि के अधिकार संबंधित खनिज अभियंता व सहायक अभियंता को दिए गए हैं। इसी प्रकार, अप्रधान खनिज के खनन पट्टों और क़ारी लाइसेंस की अवधि वर्ष 2040 तक बढ़ाए जाने के बाद देय प्रीमियम राशि एकमुश्त जमा कराने में असुविधा को देखते हुए अधिकतम पांच किश्तों में प्रीमियम राशि जमा कराने की छूट प्रदान कर दी गई है। राज्य सरकार के इन निर्णयों से अप्रधान खनिज लीज व क़ारी लाइसेंस धारकों को बड़ी राहत मिली है।

आमजन को मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु नगर निगम द्वारा करवाई जायेगी फोगिंग

-प्रथम चरण में 12 टीमे 2 पारियों में वार्डवाईज करेगी फोगिंग कार्य

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार नगर निगम ग्रेटर की मलेरिया शाखा द्वारा ग्रेटर क्षेत्राधिकार में मौसमी बीमारियों मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया की रोकथाम हेतु नियमित कीटनाशक छिड़काव, एन्टीलारवा एक्टीविटिज, वाटर एवं वाटर टैंकर के माध्यम से कीटनाशक छिड़काव एवं डिसईफेक्टेंट का स्प्रे वार्डवाईज प्रोग्राम बनाकर नियमित रूप से करवाया जा रहा है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कांकरिया ने बताया कि मौसमी बीमारियों, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया की प्रभावी रोकथाम हेतु 15 जुलाई 2025 से कीटनाशक छिड़काव संबंधी कार्य वार्डवाईज किया जायेगा। जिसके तहत प्रथम चरण में 15 जुलाई से वार्डवाईज फोगिंग कार्य के लिये 12 टीमें गठित की गई है इन टीमों द्वारा 2 पारियों में प्रतिदिन 8 वार्डो में फोगिंग कार्य किया जायेगा साथ ही कीटनाशक छिड़काव कार्य एवं रूके हुये पानी में एन्टीलारवा एक्टीविटिज का कार्य भी प्रभावी रूप से किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि शहर के बड़े नालों, कचरागाह एवं कचरा ट्रांसफर स्टेशनों पर वाटर टैंकरों की सहायता से कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी नियमित कर करवा रहा है साथ ही हाई रिस्क एरिया (शहर की कच्ची बस्तियां, द्रव्यवती नदी का बहाव क्षेत्र इत्यादि) में नियमित अंतराल में फोगिंग, कीटनाशक छिड़काव एवं एंटीलारवा एक्टीविटिज का कार्य करवाया जा रहा है ताकि आमजन को मौसमी बीमारियों के प्रकोप से बचाया जा सके।

आयुक्त की आमजन से अपीलः-

आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आमजन से अपील की कि कूलर, पानी की टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन, फ्रिज की ट्रे, फूलदान इत्यादि को प्रति सप्ताह खाली करें व धूप में सूखाकर प्रयोग करें। नारियल का खोल, टूटे हुए बर्तन व टायरों में पानी जमा न होने दें। घरों के दरवाजे व खिडकियों में जाली, परदें लगायें।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा से मिले सवाई माधोपुर जिले के कार्यकर्ता

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। पंचायत समिति की प्रधान निरमा मीणा को राजस्थान सरकार द्वारा निलंबित किए जाने के विरोध में कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर के नेतृत्व में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सवाई माधोपुर संगठन प्रभारी श्रीमान पुष्पेंद्र भारद्वाज से मुलाकात की एवं सभी कार्यकर्ताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपनी नाकामयाबी को छिपाने एवं सवाई माधोपुर जिले में बरसात से हुई तबाही को लेकर गरीबों को कोई राहत नहीं दी जा रही उनकी कोई सुनवाई नहीं की जा रही मुख्य चौराहे पर चलती सिटी बस में सरेआम गोली मारकर लोगों को डराया धमकाया जा रहा है भ्रष्टाचार चरमोत्कर्ष पर पहुंच रहा है लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए पैसा देकर के अपने काम करवाने पड़ रहे हैं इन सब समस्याओं के बारे में प्रदेश अध्यक्ष को कार्यकर्ताओं ने अवगत कराया कार्यकर्ताओं में प्रधान निरमा मीणा, उप जिला प्रमुख बाबूलाल मीणा, पंचायत समिति मलारना डूंगर उप प्रधान फजलु खान, ब्लॉक अध्यक्ष सवाई माधोपुर अनिल वर्धमान, ब्लॉक अध्यक्ष ग्रामीण घासीलाल बैरवा, नगर अध्यक्ष मोहन मंगल, खिरनी नगर अध्यक्ष प्यार सिंह गुर्जर, मीडिया प्रभारी अजय शर्मा, केदारमल मीणा, संजय गौतम, पार्षद बृजमोहन सिसोदिया, विकी ओम सेन, मधु मीणा, ब्लॉक उपाध्यक्ष महेश चंदेल, मंडल अध्यक्ष हरि सिंह गुर्जर, कौसर अली, लक्ष्मी चंद बेरवा, सतानंद मीणा, प्रधान प्रतिनिधि मुकेश मीणा, हरीश महेश्वरी, दशरथ मीणा, रिटायर्ड सी आई शंकर लाल मीणा, सुनील मीणा, जरार अहमद, परमानंद मीणा आदि मौजूद रहे।

दावत-ए-इस्लामी इंडिया के सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से वृक्षारोपण अभियान आरंभ

मोहम्मद अली पठान

राजगढ़,(रॉयल पत्रिका)। पर्यावरण प्रदूषण, वैश्विक तापवृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) और बढ़ते तापमान को ध्यान में रखते हुए, दावत-ए-इस्लामी इंडिया के सामाजिक सेवा संस्थान गरीब नवाज़ रिलीफ फाउंडेशन ने "पौधा लगाना है, पेड़ बनाना है" के संकल्प के साथ एक भव्य वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की है, जो पूरे भारत में 7 जुलाई से 15 जुलाई 2025 तक चलेगा। इस अभियान के अंतर्गत राजगढ़ शहर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय राजगढ़ में पौधे लगाये गये और मदनी मरकज - फैजाने अमीरे मुआवीया मस्जिद से पौधे वितरण किये गये और यह संकल्प लिया कि पौधा लगायेगे और दरख्त बनायेगे हैं इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं है, बल्कि उन्हें पेड़ बनाना और उनकी देखभाल करके एक हरा-भरा और सुरक्षित भारत बनाना है।पैगंबर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का कथन है: जो कोई वृक्ष लगाए, और उससे मनुष्य या जानवर लाभ उठाएं, तो वह उसके लिए सतत पुण्य (सदक़ा-ए-जारिया) बन जाता है।"तफ़सीर कबीर, खंड 6, पृष्ठ 367 यह अभियान एक ओर इस्लामिक परंपरा के अनुसरण का माध्यम है, तो दूसरी ओर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायुमंडल और छायादार वातावरण तैयार करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास भी है। कार्यकर्ता "प्रकृति को बचाओ" के विषय पर विभिन्न शैक्षणिक और धार्मिक संस्थानों में जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित कर रहे हैं।इस मौके पर संस्था के शैख असलम अत्तारी, मदनी मरकज के इमाम वसीम रजा, हाजी ताज मुहम्मद शैख, इस्पाक ,आरीफ ,खालिद, अब्दुल सत्तार, आबिद आदि उपस्थित रहे।

इमाम हजरत हसन और हुसैन की याद में

-न्यू नाजिया कर्बला सबील पार्टी ने लंगर बांटा

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय नई सड़क मक्की मस्जिद के पास,न्यू नाजिया कर्बला छबील पार्टी ने ,हजरत इमामे हसन और हुसैन की याद में रात को दसवें की नियाज़ का कार्यक्रम (लंगर)रखा गया,इसमें अकीदत मंदो के लिए बनाया गया लंगर वितरण किया। इसी दौरान कमेटी अध्यक्ष पीर जिलानी शाह ने मोहर्रम पर दस दिनों तक चलने वाली छबील में सहयोगी सदस्यों के साथ ,चूरू कॉम काजियान सदर संजय भाटी , चूरू जिला अंजुमन _अल,शबाब जिला अध्यक्ष जमील चौहान, पार्षद शाहरुख खान, तारीख़ नागौरी, का शॉल व साफा ओढ़ाकर ओर मालाएं पहना कर स्वागत व इस्तकबाल किया।इस अवसर पर मास्टर दीन मोहम्मद,कालू चौहान,आजम भाटी,चमन भींचर, सैय्यद तंवर, इरफ़ान भाटी, पार्षद नोमान सैय्यद, खादिम भाई, शरारत क़ाज़ी, पीर जहांगीर अली, अनवर तेली,राजू, मोहम्मद इमारन, सोहेल भाटी, जमील अहमद, अकरम टेलर, मुकेश शर्मा जयपुरी,आदि ने किया । आयोजन में पीर जिलानी ने देश व प्रदेश में अमन चैन और भाई चारे की दुवाएं की गई।

बीकानेर में 27 को आयोजित होने वाले ग्रीन स्वराज सम्मेलन की तैयारी बैठक सम्पन्न

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। बीकानेर के राजकीय विश्राम गृह में पीपल्स ग्रीन पार्टी की आठों विधानसभाओं के प्रभारीगण, प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी गण की बैठक हुई। पीपल्स ग्रीन पार्टी के राजस्थान प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भंवरलाल नायक और राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी ने बीकानेर में आयोजित होने वाले ग्रीन स्वराज सम्मेलन की तैयारी के लिए समिति के गठन हेतु चर्चा की। ग्रीन स्वराज सम्मेलन बीकानेर में 27 जुलाई को प्रातः दस बजे आरंभ होगा। ग्रीन स्वराज सम्मेलन के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुधांशु होंगे और अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी के द्वारा की जायेगी। जबकि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता डा तन्मय, राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट कपिल, इंजीनियर गौरव शर्मा एवं सतीश नागपाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि सम्मेलन में सभी विधानसभाओं के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शिरकत करेंगे। राजस्थान के प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भंवरलाल नायक की उपस्थिति में पार्टी के वरिष्ठ नेता अय्यूब ढूढी को सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए प्रदेश स्तर पर समन्वयक बनाया गया। अय्यूब खान राजस्थान के सभी जिलों के पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रदेश अध्यक्ष के प्रतिनिधि के रूप में समन्वय स्थापित कर उनकी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। शेखावत ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सैनी के नेतृत्व में एक, ग्रीन स्वराज सम्मेलन बीकानेर के लिए संयोजन समिति का गठन किया गया है। इस समिति के संयोजक संदीप चहल होंगे जो प्रदेश अध्यक्ष के साथ बीकानेर लोकसभा की सभी आठों विधानसभाओं का सघन दौरा कर सम्मेलन में सभी विधानसभाओं की उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। साथ ही सभी विधानसभाओं के प्रभारियों को उनके द्वारा तैयार की गई सीडब्ल्यूसी के सदस्यों की सूची और सदस्यों को लेकर सम्मेलन में उपस्थित होने के लिए निर्देशित करेंगे। सत्यनारायण सैनी ने एक स्वागत एवं प्रबंध समिति का गठन भी किया जिनमें भूपेंद्र गुर्जर, सुभाष पुरोहित, बिरजाराम नायक, उमर दीन खिलजी सदस्य रहेंगे। सैनी ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए प्रत्येक विधानसभा में प्रभारी नियुक्त किये हैं, जिनमें सुभाष पुरोहित बीकानेर पश्चिम, मोहम्मद आरिफ़ तंवर बीकानेर पश्चिम, तेजा राम हाडा कोलायत, सोहन सिंह राजपुरोहित नोखा, शिवलाल कस्वां लूणकरणसर, गुरदीप सिंह अनूपगढ़, राम रख कड़वा खाजूवाला और सांवरमल जाट को डूंगरगढ़ विधानसभा के लिए प्रभारी बनाया है।

शोशल मीडिया पर झुगियो में पानी भरने की लगाई पोस्ट

-हमारी ख्वाहिश एनजीओ पहुँचा खाना लेकर

राजगढ़,(रॉयल पत्रिका)। सादुलपुर क्षेत्र के वार्ड संख्या 14 में स्थित कच्ची बस्ती के लोगो ने शुक्रवार दोपहर को झुगियो में पानी भरने से खाना तक नही बनाने की मजबूरी की पोस्ट शोशल मीडिया पर डाली जिसके बाद हमारी ख्वाइश एन जिओ ने झुगियो में पहुँचकर बच्चो सहित लोगो के लिए शाम के खाने के पैकेट लेकर पहुँचे। गौरतलब हैं कि शुक्रवार को बारिस होने के कारण झूगी झोपड़ियों में पानी भर गया व खाने पीने के सामान सहित सबकुछ भीग गया । ऐसे में खाना बनाने की भी मुसीबत हो गई। जिसको लेकर शोशल मीडिया पर पोस्ट की गई। हमारी ख्वाइश एनजीओ की अध्यक्ष रिहाना पठान ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है उन्होंने समाज सेवी एडवोकेट गायत्री पुनिया की फेसबुक बदलाव की आवाज आईडी पर पोस्ट को जब देखा कि लोग के चूल्हे तक नही जले तो एनजीओ की अध्यक्ष रिहाना पठान ने तुरन्त लोगो के सहयोग से भोजन बनवाया ओर इनके लिए लेकर पहुँचे। उन्होंने कहा अगर हमारे आस-पास पास कोई इनशान भूखा सो रहा है। तो हमे भी खाकर सोने का धर्म नही है। ऐसे में झुगियो के लोगो ने भी हमारी ख्वाइश एनजीओ का आभार जताया। एवं शुभकामनाएं दी।

नो बेग डे पर रा. उ. मा. वि. शेरपुर में लगाए पौधे

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के अंतर्गत रा. उ. मा. वि. शेरपुर में नो बेग डे के अवसर पर विद्यार्थियों एवं अध्यापकों द्वारा विद्यालय वाटिका में वृक्षारोपण किया गया. नफीस अहमद शारीरिक शिक्षक ने बताया कि इस अवसर पर ग्राम वासियों को पौधे भी वितरित किए गए। पौधरोपण कार्यक्रम में प्रधानाचार्य निशु अग्रवाल इको क्लब प्रभारी अजहरुद्दीन, अर्चना शर्मा, मंजू अग्रवाल, प्रभा मित्तल, मनीषा गुर्जर, अंजना जैन, सत्यनारायण सोनी, नरेंद्र सिंह, ज्ञानेश्वर दयाल, कमलेश कुमार एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

टाइगर सिटी प्रेस क्लब के गठन को लेकर हुई चर्चा

-जिला पत्रकार समिति की बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर जिला पत्रिका विकास समिति की बैठक सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय पर आयोजित की गई। जिला महामंत्री राजेश गोयल ने बताया की बैठक में टाइगर सिटी प्रेस क्लब के गठन को लेकर हुई चर्चा। जिसमें सभी पत्रकार बंधुओ द्वारा सर्व सम्मति से जिला मुख्यालय पर प्रेस क्लब की बिल्डिंग बनाने का निर्णय लिया। इस हेतु आगामी दिनों में जिला मुख्यालय पर एक पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जनप्रतिनिधि, प्रशासन एवं सभी पत्रकार बंधु भाग लेंगे। बैठक में हाल ही माउंट आबू नगर पालिका परिषद में हुई पत्रकार से मारपीट की घोर निंदा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज ने पत्रकारों के विभिन्न मुद्दों, पत्रकारों की एकजुटता व हितों पर चर्चा करते हुए सभी पत्रकारों को संगठित होकर संगठन हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष नरेंद्र भारद्वाज, महामंत्री राजेश गोयल, कोषाध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा, बजरंग सिंह राजावत, दिलीप सिंह पाटीदार, सुनील जोशी, राजमल जैन,जितेंद्र जैन, अरविंद सिंह चौहान, सुनील शर्मा, नईम खान, असफाक अली, संजय अग्रवाल, मुकेश जैन, हरक चंद जैन सहित पत्रकार उपस्थित रहे।

पाली में 'होम बेस्ड केयर' कार्यक्रम का शुभारंभ, राजस्थान में पहली बार हुई पहल

मोहम्मद यासीन

पाली,(रॉयल पत्रिका)। पाली ज़िले में राष्ट्रीय पैलिएटिव केयर कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण और अभिनव पहल की शुरुआत की गई। पूरे राजस्थान में पहली बार गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीज़ों के लिए होम बेस्ड केयर (घर पर ही देखभाल) का शुभारंभ मेडिकल कॉलेज पाली परिसर से किया गया है। इस कार्यक्रम की शुरुआत कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने हरी झंडी दिखाकर एक विशेष वाहन को रवाना किया । सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल ने बताया कि इस वाहन से प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की टीम के साथ ऐसे मरीज़ों के घर जाकर उन्हें आवश्यक देखभाल और सहायता प्रदान करेगी जो गंभीर बीमारी के कारण अस्पताल में आकर इलाज लेने में असमर्थ है। राष्ट्रीय पालिवटिव केयर कार्यक्रम के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग राजस्थान सरकार द्वारा इसकी शुरुआत पाली जिले से की गई है। अन्य जिलों में भी शीघ्र यह सुविधा प्रारम्भ की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.विकास मारवाल, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.वेदान्त गर्ग, क्षय रोग अधिकारी डॉ. उजमा जबीन, पाली डेयरी के चेयरमैन प्रताप सिंह बींठिया, पाली प्रधान प्रतिनिधि पुखराज पटेल, मेडिकल कॉलेज पाली के एनाटॉमी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.अनूप सिंह गुर्जर और पीएसएम विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सलिल दुबे सहित कई गणमान्य नागरिकों के साथ डॉ. प्रियंका कुमावत, डॉ. भारतेश एवं मेडिकल कॉलेज के अनेक विद्यार्थी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर तहत 51 पौधे लगाए

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। नेशनल कांग्रेस वर्कर कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष आबिद खान, कोटा जिला अध्यक्ष नितिन गौतम ने पूर्व मंत्री कोटा उत्तर विधायक शांति कुमार धारीवाल के मार्गदर्शन में ऑपरेशन सिंदूर तहत शनिवार को कोटा में 51 पौधे लगाए। कोटा जिला अध्यक्ष नितिन गौतम ने बताया है। वृक्ष लगाओ हरियाली पाओ के तहत हमने आज कोटा के सभी लोगों को यह संदेश दिया है कि इस सावन के इस महीने में अपने घर के आंगन के बाहर एक पौधा जरूर लगाए। प्रदेश अध्यक्ष आबिद खान ने बताया शहर की सड़कों ओर अपने घरों के आसपास हरियाली के लिए पेड़ जरूर लगाना चाहिए। इससे मिलने वाली शुद्ध हवा मनुष्य और इस प्रकृति के लिए बेहद जरूरी है। शनिवार को हुए पौधारोपण कार्यक्रम में कोटा के विभिन्न इलाकों वेद दाऊ दयाल जोशी पार्क, सेवन वंडर पार्क, अजय आहूजा पार्क, महावीर जैन पार्क में पौधे लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस वर्कर कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष आबिद खान, जिला अध्यक्ष नितिन गौतम, मोहम्मद हुसैन फारुख भाई, शाहरुख खान, अनिल सिंह, दिनेश जोशी, रमेश अग्रवाल, सचिन जोशी, शंकर राजपूत, नरेंद्र हाड़ा, सलमान खान, अजय सिंह, युवराज गौतम, संजय गौतम आदि मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर ने किया रक्तदान, टीबी मरीजों को वितरित किए पोषण किट

-51 रक्तदाताओं में 10 ने पहली बार किया रक्तदान, 14 टीबी मरीजों को निक्षय किट

हनुमानगढ़, 12 जुलाई। जिले के 32वें स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को जिला प्रशासन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर व टीबी मरीज हेतु निक्षय मित्र ने मानव सेवा का संदेश दिया। हनुमानगढ़ टाऊन स्थित जिला अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने स्वयं रक्तदान कर सभी को प्रेरणा दी। उन्होंने आमजन और युवाओं को समाज सेवा में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

रक्तदान शिविर में 51 लोगों ने रक्तदान किया, जिनमें से 10 युवाओं ने पहली बार रक्तदान कर मिसाल पेश की। इसी कड़ी में, जिला क्षय नियंत्रण केंद्र हनुमानगढ़ में भी टीबी उन्मूलन हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में 14 टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित किए गए।

कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों ने मरीजों को नियमित दवा लेने और संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया। जिला कलेक्टर ने कहा कि टीबी जैसी बीमारी का इलाज संभव है, बस हमें समय पर जांच, नियमित दवा और पौष्टिक आहार को प्राथमिकता देनी होगी। शिविर में जनप्रतिनिधि अमित सहू, विकास गुप्ता, श्रीमती गुलाब सिंवर, प्राचार्या डॉ. कीर्ति शेखावत, श्रीमती राजविंद कौर, सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा, पीएमओ डॉ. शंकर सोनी, नर्सिंग अधीक्षक वेदप्रकाश व श्रवण चायल सहित अनेक अधिकारी व नागरिक मौजूद रहे।

हम्मीर ब्रिज विस्तारीकरण कार्य का जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर काना राम ने शुक्रवार को हम्मीर ब्रिज के चौड़ाईकरण एवं विस्तारीकरण कार्य का निरीक्षण कर निर्माण की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्माण कार्यों को गति देने एवं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि आमजन को ट्रैफिक जाम से राहत मिल सके।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा शहर की यातायात समस्या के स्थायी समाधान हेतु हम्मीर ब्रिज के विस्तारीकरण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हम्मीर आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) के अस्थायी फाउंडेशन कार्य में तेजी लाने एवं रेलवे विभाग के समन्वय से बो स्ट्रिंग गर्डर (रेलवे मुख्य स्पान) लॉन्चिंग शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने पिंक पैलेस साइड के रोड पर सिविल लाइन को स्थानांतरित कर चौड़ाईकरण कार्य शीघ्र शुरू करने की बात कहीं। कलक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ब्रिज पर बने गड्ढों को तत्काल भरा जाए ताकि वर्षा ऋतु में राहगीरों को किसी भी प्रकार की दुर्घटना का सामना न करना पड़े। उन्होंने एनएचएआई, नगर परिषद, रेलवे व सार्वजनिक निर्माण विभाग को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए सितंबर, 2025 तक सभी निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कार्य में आ रही बाधाओं की जानकारी लेते हुए उन्होंने संरचनाओं के हटाने, रेलवे अनुमोदन व अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। जिला कलक्टर ने लालसोट साइड एवं टोंक साइड रैंप कार्य में तेजी लाने और रेलवे ट्रैक के दोनों ओर सुरक्षा मानकों के अनुरूप स्टेजिंग कार्य सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही निर्माण स्थल पर आ रही सीवरेज लाइनों को स्थानांतरित कर बाधा मुक्त कार्य संपादन के निर्देश दिए।

इस दौरान एनएचएआई के अधिशासी अभियंता वेद प्रकाश शर्मा ने बताया कि रेलवे सहित सभी आवश्यक विभागों से प्रशासनिक स्वीकृतियां प्राप्त हो चुकी हैं। होटल पिंक पैलेस एवं अन्य मुआवजा प्राप्त संरचनाओं का डिस्मेंटल कार्य प्रगति पर है और चौड़ाईकरण तेजी से चल रहा है।

जिला स्थापना दिवस पर 'रन फॉर हनुमानगढ़' से लेकर हॉकी तक दिखा उत्साह

-आरजी स्टेडियम से कलेक्टर, एसपी सहित जनप्रतिनिधियों ने भी लगाई दौड़

-हरियालो राजस्थान अंतर्गत 501 पौधे लगाए

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिला स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को हनुमानगढ़ जंक्शन स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में विविध खेल प्रतियोगिताए, मैराथन दौड़ और पौधारोपण जैसे आयोजन हुए। जिनमें आमजन, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6 बजे 'रन फॉर हनुमानगढ़' मैराथन से हुआ, जिसमें पुरुष व महिला वर्ग की विभिन्न आयु श्रेणियों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

मैराथन में 15 वर्ष आयु वर्ग में पुरुष वर्ग में अभिमन्यु, साहिल एवं रूपेश क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। जबकि महिला वर्ग में प्रथम लक्ष्या, द्वितीय मानवी तथा तृतीय कनिष्का ने स्थान हासिल किया। 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में पुरुषों में विशाल कस्वां, संदीप बिरकाली और राजपाल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए, वहीं महिलाओं में आरती, पूजा और लवप्रीत कौर विजेता रही। रन फॉर हनुमानगढ़ में जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, एसपी हरी शंकर सहित जनप्रतिनिधियों ने भी दौड़ लगाई।

हरियालो राजस्थान के तहत 501 पौधे रोपे, हॉकी और वुशु प्रतियोगिता में उत्साह

इसके उपरांत स्टेडियम में पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। पौधारोपण कार्यक्रम में 501 पौधों का रोपण किया गया, जिसमें अधिकारी और जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवक शामिल हुए। पौधरोपण के बाद महिला हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, गुरूसर की टीम विजेता बनी। इसके बाद वुशु खेल में पुरुष व महिला वर्ग की विभिन्न वजन श्रेणियों में मुकाबले हुए।

पुरुष वर्ग में जयदित्य (32 किग्रा), विक्की पाण्डेय (36 किग्रा), सूर्यदेव सिंह (42 किग्रा), दक्ष (45 किग्रा), हरकिरत (48 किग्रा) और मनीष (60 किग्रा) विजेता रहे। महिला वर्ग में शिवा (36 किग्रा), निरीक्षा कंवर (42 किग्रा), नोजल (48 किग्रा) और योगिता (52 किग्रा) विजेता रहीं। सभी विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को अल्पाहार प्रदान किया गया। खिलाड़ियों को सेंट्रल पार्क में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में सम्मानित किया गया।

कॉलेजों व विद्यालयों में ईएलसी क्लब द्वारा ईपी व जेण्डर रेसियो के संबंध में हुआ आयोजन

जालोर, (रॉयल पत्रिका)। निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार विश्व जनसंख्या दिवस पर शुक्रवार को जिले के कॉलेजों व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में ईएलसी क्लब द्वारा ईपी रेसियो व जेण्डर रेसियो के संबंध में जागरूक करने के लिए सत्र का आयोजन किया गया। सत्र के दौरान ईपी रेसियो व जेण्डर रेसियो के बारे में चर्चा करते हुए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 325, 326 व 324 (1) के बारे में जानकारी दी गई। ईएलसी सत्र में उपस्थित छात्र-छात्राओं को बताया गया कि मतदाता सूची में जुड़ना देश के युवाओं का राष्ट्रीय कर्तव्य है।उनके मतदाता सूची में जुड़ने से राज्य का ईपी रेसियो व जेण्डर रेसियो बढ़ेगा तथा स्पष्टतः छात्राओं द्वारा मतदाता पंजीकरण करने पर जेण्डर रेसियो में बढ़ोतरी होगी जो लैंगिक समानता के लक्ष्य प्राप्ति में महत्वपूर्ण कदम है। सत्र के दौरान छात्र-छात्राओं को जानकारी दी गई कि ईपी रेसिया प्रति हजार जनसंख्या पर मतदाताओं की संख्या को इंगित करता है। यदि यह जनसंख्या आंकड़ों के 18$ आयु के नागरिकों के अनुपात से कम है तो यह अंतर ऐसे 18$ आयु के मतदाताओं को इंगित करता है जिन्हें मतदाता सूची में जोड़ा जाना है। इस रेसियो को को अनुकुल बनाने हेतु 18$ आयु के सभी नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने हेतु इन सत्रों में आह्वान किया गया। जेण्डर रेसियो प्रति 1000 पुरूष मतदाताओं के विरूद्ध महिला मतदाताओं की संख्या को दर्षाता है। यदि यह कम है तो जेण्डर रेसियो को बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में महिला मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़े जाने हेत ईएलसी सत्र में उपस्थित छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। सत्रों में जानकारी दी गई कि भारत

के वे नागरिक जो किसी वर्ष में 1 जनवरी, 1 अप्रेल, 1 जुलाई, 1 अक्टूबर को 18$ वर्ष की आयु पूर्ण करने पर उसी वर्ष मतदाता सूची में बीएलओ के माध्यम से अथवा ऑनलाइन माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते है। सत्र के दौरान सभी पात्र युवाओं एवं युवतियों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु प्रेरित किया गया।

जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। जिला पर्यावरण समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विविध महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने बताया कि जिला पर्यावरण समिति की बैठक शुक्रवार को आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता जिला कलक्टर लोक बन्धु ने की। समिति द्वारा वेटलैंड घोषित करने संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा की गई। आनासागर झील के समीप कचरा डंपिंग की निगरानी करने के निर्देश दिए गए। प्रथम चरण में किए गए कार्यों का समिति के सदस्यों को स्थल पर जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। हरियाळो राजस्थान अभियान के तहत लगाए गए पौधों के संरक्षण की स्थिति की समीक्षा की गई एवं

वृक्षारोपण अभियान को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि पॉलीथिन बैग्स पर सख्त अभियान चलाकर सतत कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए गए। प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त स्थान सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई। उप वन संरक्षक विरेन्द्र सिंह जोरा ने बताया कि वर्षा जल से वेटलैंड के जल स्तर में हुई बढ़ोतरी की समीक्षा की गई। साथ ही दो नए वेटलैंड चिन्हित करने की प्रक्रिया की प्रगति पर चर्चा की गई। बायोडायवर्सिटी संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों के साथ अतिरिक्त उपायों की आवश्यकता बताई गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त देशल दान, प्रशिक्षु आईएएस डॉ. नेहा राजपूत, अजमेर विकास प्राधिकरण के उपायुक्त सूर्यकांत शर्मा, नगर निगम उपायुक्त अनीता चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खनिज विभाग और क्रेशरधारकों की संयुक्त पहल

-मोड़ा पहाड़ पर 3000 पौधों की हरियाली

झुंझुनू, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के मिशन "हरियालो राजस्थान" के अंतर्गत कार्यालय खनि अभियन्ता, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, झुंझुनू द्वारा पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। शुक्रवार को विभाग द्वारा मोड़ा पहाड़ के निकट स्थित क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान में क्रेशरधारकों के सहयोग से कुल 2700 छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। कुल 3000 पौधों के लक्ष्य के तहत शेष पौधों का रोपण कार्य प्रगति पर है। वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। इसके अंतर्गत क्षेत्र में तारबंदी करवाई गई है एवं डिग्गी निर्माण कर ड्रिप सिस्टम के माध्यम से नियमित सिंचाई की योजना बनाई गई है। इस अवसर पर खनि अभियन्ता रामलाल सिंह, खनि कार्यदेशक रमेश चन्द्र, कृष्ण कुमार, क्रेशरधारक अनिल बंका, पवन सिंघल सहित नगर परिषद् झुंझुनू के पार्षद प्रमोद जानू, मोहम्मद शरीफ एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यह वृक्षारोपण न केवल हरियाली बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है बल्कि स्थानीय पर्यावरण सुधार की ओर एक सशक्त प्रयास भी है।

फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम

-राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित

बारां, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रस्तावित फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु उप जिला निर्वाचन अधिकारी (अतिरिक्त जिला कलक्टर) दिवांशु शर्मा की अध्यक्षता में बारां जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के तहत घर-घर सर्वे कर गणना प्रपत्र तैयार किए जाएंगे। यह कार्य निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एसडीएम) एवं बीएलओ के माध्यम से संपादित किया जाएगा। बीएलओ घर-घर जाकर सभी निवासियों से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानक दस्तावेज प्राप्त करेंगे तथा वर्ष 2002 की मतदाता सूची के आधार पर दस्तावेजों की जांच कर त्रुटि रहित मतदाता सूची तैयार की जाएगी। उन्होंने

बताया कि यह कार्यक्रम बिहार राज्य की तर्ज पर राजस्थान में भी प्रारंभिक रूप से लागू किया जा रहा है। बैठक में राजनीतिक दलों से आग्रह किया गया कि वे आमजन को इस अभियान में भागीदारी के लिए प्रेरित करें तथा आवश्यक दस्तावेज बीएलओ को सहज रूप से उपलब्ध कराने हेतु जन जागरूकता फैलाएं। इसके अतिरिक्त उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि मतदाता सूचियों के पूरक 3 निर्वाचन विभाग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं, जिसे कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन देख और डाउनलोड कर सकता है। बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को चारा विधानसभा क्षेत्र में अपने-अपने बूथ लेवल अभिकर्ता (बीएलए) नियुक्त करने तथा नए प्रारूप में फोटो, मोबाइल नंबर आदि सहित बीएलए-2 के आवेदन जमा करवाने हेतु भी निर्देशित किया गया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी की ओर से नरेन्द्र कुमार सोमानी एवं इंडियन नेशनल कांग्रेस की ओर से रामस्वरूप धारीवाल उपस्थित रहे।

बिहार के मतदाताओं ने अपने एन्यूमरेशन फॉर्म जमा किए 74.39% एन्यूमरेशन फॉर्म एकत्रित

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। एन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि से 14 दिन पहले ही बिहार के 7,89,69,844 (लगभग 7.90 करोड़) मतदाताओं में से 74% से अधिक ने अपने फॉर्म पहले ही जमा कर दिए हैं।

SIR (विशेष गहन पुनरीक्षण) के दूसरे चरण में, बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं की सहायता कर रहे हैं और उनके भरे हुए एन्यूमरेशन फॉर्म एकत्र कर रहे हैं। ज़मीनी स्तर पर कार्य कर रहे 38 जिला निर्वाचन अधिकारी (DEOs), सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने वाले EROs तथा 963 AEROs इस पूरी प्रक्रिया की नियमित निगरानी कर रहे हैं। एन्यूमरेशन फॉर्म का डिजिटलीकरण एवं ECINet पर अपलोड करने की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। SIR दिशानिर्देशों के पैरा 3(h) के अनुसार, बीएलओ द्वारा अब तक एकत्र किए गए कुल फॉर्म में से 3.73 करोड़ एन्यूमरेशन फॉर्म BLO ऐप/ECINet के माध्यम से

सफलतापूर्वक डिजिटाइज़ और अपलोड किए जा चुके हैं।

आज, ECINet में AERO/ERO द्वारा अपलोड किए गए फॉर्म के सत्यापन के लिए एक नया मॉड्यूल भी लागू किया गया है। आज दिनांक 11 जुलाई 2025 की शाम 6:00 बजे तक, 24 जून 2025 को SIR निर्देश जारी होने के बाद बीते 17 दिनों में कुल 5,87,49,463 एन्यूमरेशन फॉर्म एकत्र किए जा चुके हैं, जो कुल फॉर्म का 74.39% है। एन्यूमरेशन फॉर्म 25 जुलाई 2025 तक जमा किए जा सकते हैं। 77,895 बीएलओ के साथ-साथ हाल ही में नियुक्त किए गए 20,603 नए बीएलओ और अन्य चुनाव अधिकारी समय पर इस प्रक्रिया को पूर्ण करने हेतु लगातार मेहनत कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, 4 लाख से अधिक स्वयंसेवक बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, बीमार और कमजोर वर्गों की सहायता कर रहे हैं। साथ ही, सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1.56 लाख सक्रिय बूथ स्तर एजेंट (BLA) भी इस अभियान में सहयोग कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप अब तक 74.39% एन्यूमरेशन फॉर्म एकत्रित किए जा चुके हैं।

आईटीआई में प्रवेश 31 जुलाई तक

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। माखुपुरा स्थित राजकीय आईटीआई के विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश आगामी 31 जुलाई तक होगें। आठवीं एवं दसवीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र एवं छात्राएं मेरिट आधार पर इच्छुक विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश ले सकते हैं। संस्थान के उपनिदेशक अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि आईटीआई करने के इच्छुक अभ्यर्थी ई-मित्र पर जाकर अथवा स्वयं की एसएसओ आईडी से आईटीआई एप पर आवेदन कर सकते है। आईटीआई में सर्वाधिक मांग दसवीं उत्तीर्ण के लिए इलेक्ट्रीशियन, मैकेनिक डीजल, फिटर, टर्नर, मशिनिष्ट, कोपा ट्रेडस की हैं। इसी प्रकार आठवीं उत्तीर्ण के लिए वायरमैन एवं वेल्डर ट्रेडस की मांग सर्वाधिक हैं। व्यवसायों (ट्रेडस) का पाठ्यक्रम दो वर्षीय अथवा एक वर्षीय हैं। दो वर्षीय व्यवसाय में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों को आईटीआई उत्तीर्ण करने के पश्चात् 12 वीं के समकक्ष माना जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षणार्थी को आईटीआई करने के दौरान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान से अंग्रेजी की परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। कुल 25 ट्रेडस में प्रतिवर्ष प्रवेश किए जाते है। इनमें कुल प्रवेश क्षमता 1016 प्रशिक्षणार्थियों की है।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा 298 बालिकाओं के मनाए जन्मोत्सव

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े के अन्तर्गत महिला अधिकारिता विभाग द्वारा जिला कलक्टर लोक बन्धु के मार्गदर्शन में बेटी जन्मोत्सव, नारी की चौपाल एवं एक पौधा-मेरे नाम से मेरे लिए (कन्या वाटिका) के तहत कैम्प स्थल पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिला अधिकारिता की उप निदेशक मेघा रतन ने बताया कि पखवाड़े के तहत जिले में 237 ग्राम पंचायतों में यह कार्यक्रम कैम्प के दौरान विभागीय पर्यवेक्षक एवं ग्राम साथिन द्वारा आयोजित किए गए। बेटी जन्मोत्सव के तहत कैम्प स्थल पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक तथा स्थानीय अधिकारियों की उपस्थिति में ग्राम पंचायत परिक्षेत्र में जन्मी बेटी के

लिए बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। बालिका के हाथ से केक कटवाकर तथा मंगल धागा बांधने के साथ ही माताओं को चुनरी उढाकर सम्मान किया गया। इस पखवाड़े के अन्तर्गत लगभग 298 जन्मोत्सव कार्यक्रम ग्राम पंचायतों में आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि पखवाड़े के अन्तर्गत कैम्प में नारी की चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें महिलाओं से संबंधित सरकार की विभिन्न कल्याणकारी एवं विकासन्मुख योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं लाभान्वित वर्ग के विषय पर अवगत करवाया गया। शिविरों में 231 नारी की चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिविरों में एक पौधा - मेरे नाम से मेरे लिए (कन्या वाटिका) कैम्प स्थल एवं उसके आस-पास बेटी के नाम का पौधारोपण करवाया गया। इस दौरान विशेष रूप से सहजन का पौधारोपण किया गया। बेटियों को पहचान दिलाने के लिए 317 बेटियों के नाम पर पौधारोपण हुए।

विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण एजेंसी में 'फेके नहीं, हमें दें' पोस्टर का किया विमोचन

-राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह

बारां, (रॉयल पत्रिका)। राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह, अधीक्षक राकेश वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह, विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण एजेंसी, बारां में प्रिन्सीपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड, सुमन मीणा एवं बाल कल्याण समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता, सदस्य मीना नागर, सुनील सांखला, खेमराज सिंह द्वारा फेके नहीं, हमें दें, का पोस्टर विमोचन किया गया। विमोचन के दोरान शिशु ग्रह मैनेजर कीर्ति चतुर्वेदी द्वारा बताया गया कि लावारिस बच्चों को ईधर-उधर फेकने के बजाय मातृ एवं शिशु चिकित्सालय बारां एवं शिशु ग्रह आमापुरा में लगे पालना आश्रय ग्रह में छोड़ने की जानकारी दी गई। ताकि बच्चे को नया जीवन मिल सके, बताया गया है कि पालना ग्रह में बच्चा छोड़ने के 2 मिनट बाद सायरन की आवाज आती है, ताकि बच्चा छोड़ने वाला आसानी से जा सके। पालना ग्रह में शिशु छोड़ने पर किसी प्रकार की कोई कानूनी कार्यवाही नहीं की जाती है। कानूनी प्रक्रिया से बच्चा गोद लेना चाहिए। कारा पोर्टल के माध्यम से वेबसाइट पर निःशुल्क पंजीयन करवाया जा सकता है। अवैध रूप से बच्चा गोद लिए जाने पर 3 वर्ष तक की सजा एवं 1 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। कार्यक्रम के दौरान नरेंद्र सिंह परमार, मुनीन्द्र शर्मा, पूनम गुप्ता सोशल वर्कर, करन सिंह नर्सिंग स्टॉफ, राजेश मीणा, लोकेश सेन, मनीष राठौर, सुरभि गौतम, पवन नागर, गोलू नागर, जगदीश सुमन, तरूण कुमार कौशिक उपस्थित रहें ।

सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के तत्वाधान में मीडिया कर्मियों ने किया सघन वृक्षारोपण

-हरियालो राजस्थान में मीडिया कर्मियों ने भी निभाई सहभागिता

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश को हरा भरा बनाने की मंशा से राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहें "हरियालो राजस्थान" अभियान में मीडिया कर्मियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सघन वृक्षारोपण किया।

शुक्रवार को डूंगरपुर जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह के निर्देशन में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग डूंगरपुर के तत्वाधान में एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल विद्यालय ददोडिया गुमानपुरा में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह की अगुवाई में जिला मुख्यालय के लगभग तीस से अधिक प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों ने भाग लेकर सक्रियता के साथ पौधारोपण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यशाला में जिला कलक्टर सिंह ने पर्यावरण संतुलन के लिए वृक्षों की उपयोगिता तथा हरियालो राजस्थान अभियान का उद्देश्य बताते हुए मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करते हुए आमजन

को भी जागरूक करने का आह्वान किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाड़िया ने वृक्षारोपण करने के साथ ही इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जाने वाले प्रयासों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर पत्रकार संघ के अध्यक्ष पुनीत चतुर्वेदी ने मीडिया द्वारा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में सदैव अग्रणी रहने तथा सहभागिता निभाने के बारें में जानकारी प्रदान करते हुए सुझाव भी दिए। कार्यक्रम के प्रारंभमें सहायक निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क छाया चौबीसा ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा आभार प्रदर्शन एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के प्रभारी उप प्राचार्य रोहितास पारीक ने किया। कार्यक्रम में विकास अधिकारी डूंगरपुर प्रवीण सिंह राव, एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल के प्राचार्य रणधीर मीना के मार्गदर्शन में सभी शिक्षक -शिक्षिकाओं, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के समस्त पत्रकार बंधुओं, एपीआरओ मोहन लाल खराड़ी, योगेश डेण्डोर, हिनेक सुथार का सहयोग रहा।

सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक स्थलों का किया भ्रमण

-उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का चित्तौड़गढ़ दौरा

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा गुरुवार रात्रि को सांवलियाजी मंदिर के दर्शन किए दर्शन करने के पश्चात चित्तौड़गढ़ के सर्किट हाउस पहुंचे एवं रात्रि विश्राम किया। शुक्रवार प्रातः उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर आलोक रंजन ने भी सर्किट हाउस में उप मुख्यमंत्री से भेंट कर जिले से संबंधित विकास योजनाओं एवं गतिविधियों पर चर्चा की। चित्तौड़गढ़ दुर्ग भ्रमण के दौरान डॉ. बैरवा ने दुर्ग स्थित व्यू पॉइंट से नगर के विहंगम दृश्य का अवलोकन किया और इसकी ऐतिहासिक गरिमा की सराहना की। कुम्भा महल की प्राचीन स्थापत्य कला और इतिहास से प्रभावित होकर उन्होंने यहां के गौरवशाली अतीत को नमन किया। विजय स्तंभ की भव्यता को निहारते हुए उन्होंने जौहर

स्थल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी ली। इसके पश्चात उप मुख्यमंत्री ने समधिश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर ब्रह्मा, विष्णु और महेश की त्रिरूपी विशाल मूर्ति के दर्शन किए और जलाभिषेक कर प्रदेशवासियों की समृद्धि हेतु प्रार्थना की। कालिका माता मंदिर में उन्होंने मत्था टेककर प्रदेश की खुशहाली की कामना की तथा महंत श्री राम नारायण पुरी से आशीर्वाद प्राप्त किया। विश्व प्रसिद्ध मीरा मंदिर में उप मुख्यमंत्री ने भक्तिरस में लीन संत शिरोमणि मीरा बाई के चरणों में श्रद्धा निवेदित की एवं कुंभ श्याम मंदिर में भी दर्शन किए। दोपहर में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने श्री जैन दिवाकर स्वाध्याय साधना संस्थान में चातुर्मास हेतु पधारे संथारा विशेषज्ञ, स्पष्ट वक्ता पूज्य गुरुदेव धर्म मुनि जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वचन प्राप्त किए। धर्मसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जैन धर्म के सिद्धांत मानव जीवन को दिशा देते हैं और चातुर्मास में साधु-साध्वियों का सान्निध्य जीवन को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है।

बागवानी को नई दिशा देने पर स्थानीय ब्रांडिंग व जैविक खेती को मिलेगा बढ़ावा

-अमरूद उत्पादक कृषकों से जिला कलक्टर का संवाद

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में जिले के प्रमुख अमरूद उत्पादक प्रगतिशील कृषकों के साथ शुक्रवार को उनके कक्ष में संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अमरूद उत्पादन से जुड़ी समस्याओं, अवसरों और समाधान की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उद्यानिकी, विपणन, प्रोसेसिंग एवं निर्यात से जुड़े पहलुओं पर भी

गहन विचार-विमर्श हुआ। जिला कलक्टर ने अधिक मुनाफे में अमरूद की खेती कर रहे किसानों से उनके अनुभव साझा करवाए और उत्पादन की गुणवत्ता, बिक्री की प्रक्रिया, विपणन की चुनौतियां, तथा प्रति पौधा उत्पादकता की समीक्षा की। इस दौरान राज्य सरकार से संबंधित अपेक्षाओं पर भी चर्चा की गई। गोगौर निवासी प्रगतिशील कृषक साजिद खान ने बताया कि जिले का अमरूद दिल्ली सहित अन्य बड़े बाजारों में भेजा जा रहा है तथा बाहरी राज्यों से आने वाले ठेकेदारों द्वारा पेमेंट की प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं को साझा किया।

आवासीय क्षति होने पर प्रशासनिक स्वीकृति जारी

प्रतापगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिले के तहसील पीपलखूंट एवं धरियावद क्षेत्र में आगजनी मकान होने पर पीडितों/प्रभावितों को क्षतिपूर्ति हेतु प्रकरण उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार के अनुशंषा पर आर्थिक सहायता हेतु भिजवाये गये है। अनुशंषा के आधार पर एवं राज्य आपदा मोचन कोष और राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष के नवीन संशोधित मानदण्डो के अनुसार आगजनी से आवासीय क्षति होने पर क्षतिपूर्ति हेतु स्वीकृति जारी की गई है। जिला कलक्टर एवं प्रमुख जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डॉ. अंजलि राजोरिया ने जारी प्रशासनिक स्वीकृति में बताया कि आगजनी से कच्चा मकान गंभीर/अपूर्ण क्षतिग्रस्त होने पर पीपलखूंट तहसील के पिपलदा निवासी मंसी भील व नायन निवासी कैलाश भील को 15-15 हजार रूपये व धरियावद तहसील के आरामपुरा निवासी मोहनलाल मीणा को 11 हजार 500 रूपये की क्षतिपूर्ति स्वीकृति जारी की गई है।

राजकुमार राव का गैंगस्टर अवतार दमदार मास्टरपीस बनने से चूक गई मालिक

मुंबई। प्रयागराज की गलियों से निकली एक चिंगारी जब आग बनती है, तो वो सिर्फ रास्ते नहीं जलाती, कई जिंदगियां झुलसा देती है। मालिक ऐसी ही एक चिंगारी की कहानी है, जो न तो पूरी तरह अपराध की तरफ है, न ही सिस्टम से लड़ने वाली कोई महान आत्मा। यह कहानी है उस गुस्से, उस लाचारी की, जो धीरे-धीरे एक आम लड़के को मालिक बना देती है। फिल्म का सेंट्रल किरदार है दीपक, जिसे निभाया है राजकुमार राव ने। राजकुमार की परफॉर्मेंस फिल्म का सबसे ताक़तवर पक्ष है। उन्होंने अपने किरदार में जो टूटा हुआ आत्म-सम्मान, अंदर ही अंदर उबलता गुस्सा और धीरे-धीरे बढ़ती सत्ता की भूख दिखाई है, वो वाकई असर छोड़ती है। मालिक एक गंभीर कोशिश है, जो ईमानदार है, लेकिन अधूरी लगती है।

लाइफ Style

प्रियंका

खाने के चॉइस को लेकर बटोर रही हैं सुर्खियां

ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' में अपने एमआई6 एजेंट नोएल बिसेट वाले किरदार को लेकर चर्चा में हैं। प्रियंका ने एक्शन और ऐसा मारधाड़ मचाया है कि बॉलीवुड के टॉप एक्टर्स भी शरमा जाएं। पीसी अब बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड फैन्स तक के दिलों की धड़कनें बन चुकी हैं।

एजेंसी ⏭ मुंबई

हम यहां उनकी चर्चा इस फिल्म को लेकर नहीं करने जा रहे हैं, बल्कि वडा पाव की तौहीन को लेकर कर रहे हैं, जिसकी वजह से वो पब्लिक के निशाने पर हैं। हालांकि, एक्ट्रेस भी कहां चुप बैठने वालीं, दो टूक में करारा जवाब भी दे डाला है। प्रियंका चोपड़ा इस वक्त अपने खाने के चॉइस को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस ग्लोबल स्टार ने हाल ही में एक ऐसे को चुप करा दिया, जिन्होंने उनकी नई फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' के प्रीमियर पर वडा पाव की बजाय हॉट डॉग चुनने पर उनका मज़ाक उड़ाया था। दरअसल, एक्ट्रेस का एक क्लिप वायरल हो रहा था जिसमें प्रियंका चोपड़ा मुंबई के स्ट्रीट फूड और दुनिया के फेवरेट फूड में से किसी एक को चुनने में काफी समय लगा रही थीं, जिसे लेकर उनकी ऑनलाइन आलोचना होने लगी। अब प्रियंका चोपड़ा ने अपना वो क्लिप और उसके साथ करारा जवाब भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इस वीडियो के साथ प्रियंका ने हंसते हुए इमोजी के साथ लिखा, 'वाह भाई! मुझे नहीं पता था कि देसी होने का भी कोई सिलेबस होता है। ये इतना सीरियस नहीं है। वड़ा पाव बनाम हॉट डॉग।' 'देसी गर्ल' के इस अंदाज ने फैन्स का दिल जीत लिया है और कइयों ने उन्हें सपोर्ट करते हुए कहा है कि किसी की पहचान खाने-पीने की चॉइस के आधार पर तय नहीं होती।

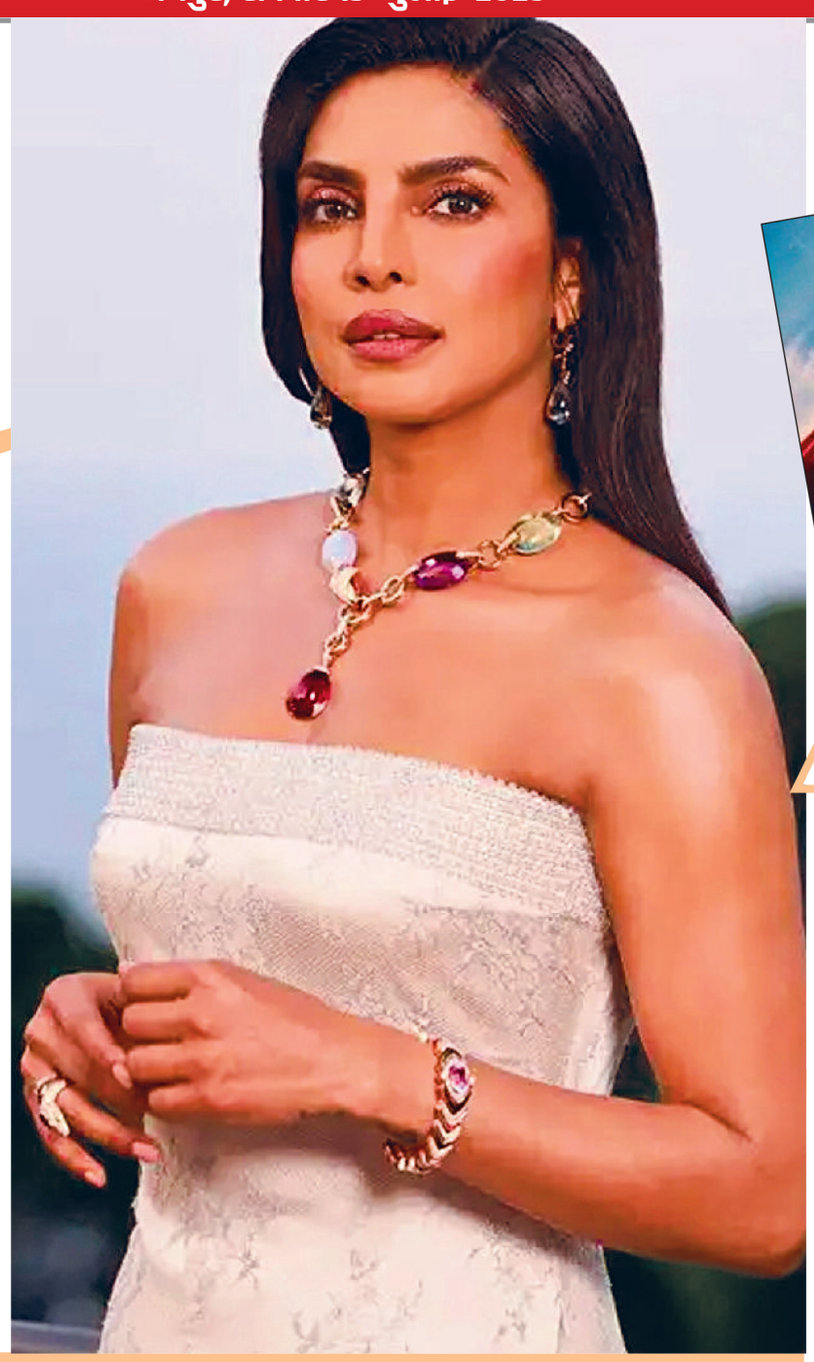

हॉलीवुड मसाला

सुपरमैन को मिले मिक्स रिएक्शन्स

लॉस एंजिल्स। सुपरहीरो फिल्मों के दीवानों के लिए 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है 'सुपरमैन'। जेम्स गन के निर्देशन में बनी ये हॉलीवुड फिल्म फैंस की उम्मीदों पर खरी उतरी? सोशल मीडिया पर आई प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि मामला कुछ मिला-जुला रहा। डेविड कोरेन्सवेट, एलन ट्युडिक, ग्रेस चान, एंजेला साराफ्यान जैसे कलाकारों से सजी इस फिल्म को लेकर लोगों में काफी उत्साह था। गन के निर्देशन और डीसी स्टूडियोज के बैनर तले बनी इस फिल्म से उम्मीदें आसमान छू रही थीं, लेकिन फिल्म रिलीज होते ही दर्शकों की राय दो हिस्सों में बंट गई।

पैरानॉर्मल एक्टिविटी है कम बजट में बड़ा चमत्कार

नई दिल्ली। हॉरर फिल्म 'पैरानॉर्मल एक्टिविटी' ने एक करोड़ 70 लाख के बजट में 1600 करोड़ रुपए की कमाई की। यही नहीं, इस फिल्म को सात दिन के अंदर ही शूट कर लिया गया था। 2007 में रिलीज हुई हॉलीवुड की सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म 'पैरानॉर्मल एक्टिविटी', जिसने कम बजट में बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया था। इस फिल्म के राइटर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ओरेन पेली हैं। 'पैरानॉर्मल ' का निर्माण सिर्फ 15,000 डॉलर (लगभग 12 लाख रुपए) में हुआ था। ओरेन पेली ने अपने घर में सात दिन में इसे शूट किया, जिसमें उन्होंने खुद निर्देशक, कैमरामैन, एडिटर और प्रोड्यूसर की भूमिका निभाई। 'पैरानॉर्मल एक्टिविटी' को साधारण कैमरे से शूट किया गया। जिसने इसकी लागत को कम रखा। बाद में, स्टीवन स्पीलबर्ग के सुझाव पर नया अंत शूट करने और साउंड डिजाइन के लिए दो लाख डॉलर और खर्च हुए, जिससे कुल बजट 215,000 डॉलर (लगभग 1.84 करोड़ रुपए) हो गया।

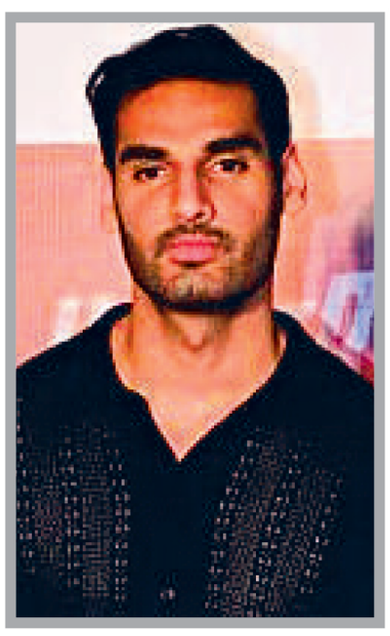

बॉर्डर 2 की शूटिंग को लेकर उत्साहित

मुंबई। सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी अपकमिंग फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आने वाले हैं। अभी इस फिल्म की शूटिंग हो रही है। ऐसे में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम के जरिए बताया है कि पुणे में इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अहान शेट्टी वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। शुक्रवार को अहान शेट्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर बताया है कि उन्होंने पुणे में अपनी शूटिंग कंप्लीट कर ली है। अहान ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इसके कैप्शन में लिखा है 'और क्या है यह बॉर्डर? बस एक फौजी और उसके भाई हैं। पुणे में यह कार्यक्रम समाप्त हुआ अब अगले कार्यक्रम पर चलते हैं।' इससे एक दिन पहले वरुण धवन ने भी बताया था कि पुणे में उन्होंने एनडीए की शूटिंग पूरी कर ली है।

द पैराडाइज में हुई राघव जुयाल की एंट्री

मुंबई। नेचुरल स्टार नानी इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द पैराडाइज'की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं निर्माताओं ने बीटीएस वीडियो शेयर कर फिल्म 'किल से सभी दर्शकों का दिल जीत चुके राघव जुयाल के होने की भी पुष्टि कर दी है। राघव का किरदार गंभीर और दमदार है। इस वीडियो में उनकी मेहनत और उत्साह साफ दिखाई दे रहा है। इस वीडियो को देखकर यही लग रहा है की उनका किरदार काफी दमदार होने वाला है। फिल्म के निर्माताओं ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, 'द पैराडाइज- प्रतिभाशाली लोगों को शुभकामनाएं देता है। राघव जुयाल को जन्मदिन की बहुत बहुत शुभकामनाएं। एक ऐसे रोल में उनका स्वागत है, जो अनोखा होगा और सभी को आश्चर्यचकित कर देगा।' राघव, जो अपनी खास स्क्रीन मौजूदगी के लिए जाने जाते हैं।

टीवी मसाला

11 अगस्त से शुरू होगा कौन बनेगा करोड़पति का नया सीजन

नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति'में अमिताभ बच्चन एक बार फिर से प्रतियोगियों से सवाल-जवाब करते नजर आएंगे। 11 अगस्त से 'कौन बनेगा करोड़पति' का नया सीजन शुरू होगा। शो का एक प्रोमो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। सोनीटीवी ऑफिशियल के इंस्टाग्राम पेज पर शो 'कौन बनेगा करोड़पति का एक प्रोमो शेयर किया गया। जिसमें एक अमीर आदमी एक गरीब आदमी का मजाक बनता है। अपने कारपेट से पैर हटाने के लिए कहता है। इस पर वह आदमी जानकारी देता है कि यह कारपेट ऐसे मटीरियल का बना है, जो गंदा नहीं होता है। इसके बाद वह कहता है, 'हमारे भदौयी में भी कारपेट बनते हैं, आपको भेजते हैं और उस आदमी के हाथ में कुछ पैसे रख देता है।' फिर एंट्री होती है, अमिताभ बच्चन की, वह कहते हैं, 'अक्ल है तो अकड़ है।' आगे प्रोमो में अमिताभ बच्चन 'कौन बनेगा करोड़पति' के नए सीजन के टेलीकास्ट होने की तारीख बताते हैं। मगर यह बात वह विजय दीनानाथ चौहान के अंदाज में कहते हैं।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का उद्देश्य है प्रेरित करना

नई दिल्ली। एकता कपूर ने बताया कि, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' वैश्विक स्तर पर पहुंच गया था, जिसने भारतीय कहानियों की परंपरा को

पूरी दुनिया में पहुंचाया। ये सिर्फ एक डेली सोप नहीं था, बल्कि इसने घरेलू बलात्कार, वैवाहिक बलात्कार, उम्र को लेकर शर्मिंदा करने और इच्छा मृत्यु जैसे मुद्दों पर चर्चा को घर-घर तक पहुंचाया। यही थी इस कहानी की असली विरासत। आइए एक ऐसा शो बनाते हैं जो जरूरी सवाल उठाने से न डरे, जो बातचीत की शुरुआत करे और एक ऐसे दौर में अलग नजर आए, जहां विजुअल चमक-दमक सब कुछ बन चुका है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी अब लौट रहा है सीमित एपिसोड्स के साथ- अपने 25 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए। इसका उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रभाव छोड़ना, सोच को झिंझोड़ना और सबसे जरूरी-प्रेरित करना है। ढेर सारी मस्ती, उत्साह और दिल से जुड़ी भावनाओं के साथ।'

शिल्पा और संजय केडी में एक साथ आएंगे नजर

मुंबई। कन्नड़ फिल्म 'केडी-द डेविल' का टीजर हाल ही में मुंबई में शानदार तरीके से लॉन्च किया गया। इस इवेंट के बाद से ही फिल्म को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इसकी सबसे खास बात है संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी की जोड़ी, जो एक लंबे अरसे बाद किसी फिल्म में एकसाथ नजर आने वाली है। दोनों ही सितारों के फैंस के लिए ये किसी ट्रीट से कम नहीं है। टीजर में दिखाया गया है कि संजय दत्त एक दमदार किरदार 'धाक देवा' के रूप में नजर आ रहे हैं और ध्रुव सर्जा 'केडी' की भूमिका में हैं। लेकिन शिल्पा शेट्टी का अंदाज भी कमाल का है। शिल्पा फिल्म में एक मजबूत और प्रभावशाली महिला किरदार निभा रही हैं, जो शायद कहानी का अहम मोड़ साबित हो। शिल्पा शेट्टी ने लंबे वक्त बाद किसी एक्शन ड्रामा फिल्म में वापसी की है और वो भी संजय दत्त जैसे मजबूत अभिनेता के साथ। उनकी इस फिल्म को लेकर फैंस में खासा उत्साह है। टीजर में भारी भरकम एक्शन सीन्स, जबरदस्त डायलॉग्स और 70 के दशक के पीरियड ड्रामा की झलक देखने को मिलती है। इसके साथ ही संगीत निर्देशक अर्जुन जन्या का म्यूजिक भी लोगों को पसंद आ रहा है। फिल्म के पहले दो गाने 'शिवा शिवा' और 'सेट्टगल्ला' को सोशल मीडिया पर जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म की कहानी दो किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो खून के रिश्ते से नहीं, बल्कि एक और गहरे बंधन से जुड़े हैं। ये सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं बल्कि इमोशन, ड्रामा और रिवेंज की तगड़ी डोज का प्रॉमिस कर रही है। फिल्म का निर्देशन 'जोगी' फेम प्रेम ने किया है और इसमें ध्रुव सर्जा, संजय दत्त, शिल्पा शेट्टी, रीशमा नानैया, रमेश अरविंद, रविचंद्रन जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे। लेकिन सबकी निगाहें टिकी हैं संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी की जोड़ी पर, जिन्होंने पहले भी साथ काम कर दर्शकों का दिल जीता था। एक बार फिर ये जोड़ी पर्दे पर एक ही फिल्म में आ रही है।

आंखों की गुस्ताखियां देखकर दर्शकों ने दी मिलीजुली प्रतिक्रिया

मुंबई। विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म के शुरुआती रिव्यू आने शुरू हो गए हैं। फिल्म का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है। फिल्म की कहानी रस्किन बॉन्ड की लघु कहानी 'द आईज हैव इट' पर आधारित है। यह फिल्म लोगों को एक अलग ही अनुभव देगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने लिखा है 'सेंसर बोर्ड से पहला रिव्यू। शनाया कपूर की फिल्म में आपका स्वागत है। उनकी परफॉर्मेंस सबसे बुरी रही। यह एक बोरिंग रोमांटिक फिल्म है। निर्माता ने स्क्रिप्ट पर अपने पैसे बर्बाद कर दिए। इसे न देखें। विक्रांत मैसी भी अच्छे नहीं लग रहे हैं।' एक एक्स यूजर को फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' पसंद नहीं आई है। उन्होंने लिखा है 'मालिक और आंखों की गुस्ताखियां का रिव्यू औसत से कम है।' एक और एक्स यूजर ने लिखा है 'आंखों की गुस्ताखियां देखने में अच्छी है। विक्रांत मैसी ने अच्छा काम किया है। शनाया कपूर ने भी अच्छा काम किया है। उम्मीद है कि फिल्म अच्छी चलेगी।' फिल्म क्रिटीक कुलदीप गढ़वी ने फिल्म के बारे में लिखा है 'फिल्म ने न सिर्फ मेरे दिल को बल्कि मेरी आत्मा को भी छुआ है। यह एक दिल को छू लेने वाली कहानी है जो धीरे-धीरे खुलती है और आप पर गहरी छाप छोड़ती है। यह शनाया कपूर की पहली फिल्म है, और यह वाकई कमाल की शुरुआत है!

आरपार, मिस्टर एंड मिसेज 55, प्यासा, नमक हलाल जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में आईं नजर

दुख और कष्ट में बीता बचपन, बाद में बनीं बॉलीवुड की पहली कॉमेडी क्वीन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जब भी बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडियन की बात होती है तो महमूद और जॉनी वॉकर से लेकर जॉनी लीवर, जूनियर महमूद और राजपाल यादव के नाम लिए जाते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड की पहली महिला कॉमेडियन कौन थीं? अभिनेत्री उमा देवी खत्री उर्फ टुनटुन वो शख्स हैं, जिन्हें बॉलीवुड की पहली महिला कॉमेडियन माना जाता है। टुनटुन कॉमेडी क्वीन के नाम से जानी जाती हैं। सिंगर-एक्टर उमा देवी उर्फ टुनटुन की 11 जुलाई को 102वीं जयंती थी। इस मौके पर जानते हैं कैसे शुरू हुआ उनका सफर।

अपनी एक्टिंग से लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने वाली टुनटुन का बचपन दुखों भरा रहा है। टुनटुन का जन्म उमा देवी खत्री के रूप में 11 जुलाई 1923 को अब उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में हुआ था। टुनटुन का बचपन बेहद मुश्किलों में गुजरा। उनके माता-पिता और भाई की हत्या जमीन विवाद में कर दी गई थी। अपनी मौत से दो दिन पहले टुनटुन ने एक इंटरव्यू में बताया था कि मैं नहीं जानती मेरे मां-बाप कैसे दिखते थे, क्योंकि जब मैं ढाई साल की थी तो वो गुजर चुके थे। मेरा 8-9 साल का भाई था, जिसका नाम हरी था। मुझे याद है हम अलीपुर में रहते थे। एक दिन मेरे भाई की भी हत्या कर दी गई, तब मैं चार-पांच साल की रही रहूंगी।

ऐसे पड़ा टुनटुन नाम

टुनटुन का नाम उमा देवी से टुनटुन कैसे पड़ा इसके भी पीछे एक कहानी है। कुछ लोगों का कहना है ये नाम उन्हें उनके भारी वजन के कारण नौशाद ने दिया था। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि उमा देवी को टुनटुन नाम दिलीप कुमार ने दिया था। बाबुल फिल्म के एक सीन की शूटिंग के दौरान टुनटुन के गिर जाने पर दिलीप कुमार ने कहा कि कोई उठाओ इस टुनटन को। बस यहीं से उनका नाम टुनटुन पड़ा। फिलहाल नाम जैसे भी पड़ा हो, लेकिन बाद में ये नाम बॉलीवुड का सबसे चर्चित नाम बना। 24 नवंबर 2003 को टुनटुन का निधन हो गया।

घर से भागकर पहुंचीं मुंबई

टुनटुन का बचपन से ही संगीत की तरफ झुकाव था। वो अक्सर रेडियो से गाने सुनकर उसका रियाज किया करती थीं। टुनटुन अक्सर काम के सिलसिले में दरियागंज में रहने वाले रिश्तेदार के घर जाया करती थीं। एक दिन वहां पर उनकी मुलाकात अख्तर अब्बास काजी से हुई। उन्होंने टुनटुन से वादा किया था वो उनकी मदद जरूर करेंगे। लेकिन, बाद में वो लाहौर चले गए। इसके बाद उनकी मुलाकात एक लड़की से हुई जो मुंबई के कई फिल्म वालों को जानती थी। एक दिन टुनटुन ने उनको ये बात बताई उन्हें गाने का बहुत शौक है, तो उन्होंने कहा कि तुम मेरे साथ मुंबई चलो। इसके बाद टुनटुन अपनी उस दोस्त के साथ भागकर मुंबई आ गईं। वहां पर दोस्त ने उनकी मुलाकात डायरेक्टर नितिन बोस के असिस्टेंट से कराई। नए शहर में जाने के बाद टुनटुन के पास रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं था, तो नितिन बोस के असिस्टेंट ने उन्हें अपने घर पर पनाह देदी।

नौशाद ने ही दी फिल्मों में जाने की सलाह

बच्चे हो जाने के बाद टुनटुन काफी मोटी हो गई थीं। वो फिर से इंडस्ट्री में वापसी करना चाहती थीं। इसके लिए वो फिर नौशाद के पास पहुंचीं। लेकिन, नौशाद ने उनसे कहा कि अब लता मंगेशकर जैसे संगीत की शिक्षा लिए हुए लोग म्यूजिक में आ गए हैं। इसलिए अब यहां टिक पाना मुश्किल है। कहते हैं कि नौशाद ने ही टुनटुन को फिल्मों में एक्टिंग करने की सलाह दी थी। उन्होंने टुनटुन से कहा कि तुम्हारा वजन काफी बढ़ गया है। ऐसे में तुम्हें देखकर लोग हंसेंगे। तुम फिल्मों में एक्टिंग करो।

दिलीप कुमार की फिल्म से किया एक्टिंग डेब्यू

नौशाद दिलीप कुमार के पास गए। दिलीप कुमार उस वक्त बाबुल फिल्म बना रहे थे। नौशाद ने उन्हें टुनटुन को लेने के लिए कहा, दिलीप साहब इस पर राजी हो गए। इस तरह टुनटुन ने 1950 में आई फिल्म बाबुल से अपना एक्टिंग डेब्यू किया। इसके बाद वो आरपार, मिस्टर एंड मिसेज 55, प्यासा, नमक हलाल जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आईं। देखते-देखते टुनटुन बॉलीवुड की कॉमेडी क्वीन बन गईं। ऐसा कहा जाता है कि टुनटुन ने 200 फिल्मों में काम किया है।

विंबलडन : सीनियाकोवा और वरबीक की जोड़ी ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

एजेंसी ▸▸ लंदन

स्टेफेनी और सैलिसबरी की मजबूत जोड़ी को सीधे सेटों में दी मात

महिला युगल की दिग्गज खिलाड़ी कैटरीना सिनियाकोवा ने सेम वरबीक के साथ मिलकर लुइसा स्टेफनी और जो सैलिसबरी को 7-6(3), 7-6(3) से हराकर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट में मिश्रित युगल का खिताब जीता। चेक गणराज्य की 10 बार की ग्रैंड स्लैम महिला युगल चैंपियन सिनियाकोवा ने गुरुवार को सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल में पहले मैच प्वाइंट पर ही करारा शॉट जमाकर खिताब अपनी झोली में डाला। वरबीक का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। नीदरलैंड के इस खिलाड़ी ने अपने पिता के लिए जन्मदिन का गीत गाकर दर्शकों के साथ जश्न मनाया।

सिनियाकोवा दो बार की ओलंपिक चैंपियन

सिनियाकोवा दो बार की ओलंपिक चैंपियन भी हैं। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों में टॉमस मचाक के साथ मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2021 के तोक्यो ओलंपिक खेलों में बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ मिलकर महिला युगल का स्वर्ण पदक जीता था। सिनियाकोवा ने जो 10 महिला युगल खिताब जीते हैं उनमें से सात क्रेजिकोवा के साथ, दो टेलर टाउनसेंड के साथ और एक पिछले साल के फ्रेंच ओपन में कोको गॉफ के साथ हासिल किए।

विंबलडन को लगातार आठवीं बार मिलेगी नई महिला चैंपियन

आल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर अमांडा अनिसिमोवा और इगा स्वियातेक के बीच शनिवार को होने वाले विंबलडन फाइनल मुकाबले से इस ग्रैंडस्लैम में लगातार आठवीं बार पहली महिला चैंपियन देखने को मिलेगी। अमेरिकी ओपन 2022 के बाद सेरेना विलियम्स के संन्यास लेने के बाद से ऐसी कोई भी प्रभावशाली खिलाड़ी देखने को नहीं मिली है, जिसने पूरी तरह से दबदबा बनाया हो और इससे नए चेहरों को काफी मौके मिले है, जैसे कि 13वीं वरीयता प्राप्त 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी अनिसिमोवा पहली बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंची हैं। अब वह पूर्व नंबर एक खिलाड़ी स्वियातेक से भिड़ेंगी, जिनके नाम रोलां गैरां में चार और अमेरिकी ओपन में एक ट्रॉफी है। लेकिन स्वियातेक इससे पहले विंबलडन में क्वार्टर फाइनल से आगे तक नहीं बढ़ पाई थीं। पोलैंड की 24 साल की स्वियातेक ने कहा, 'मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं यहां फाइनल में खेलूंगी।' स्वियातेक ने कहा, 'मैंने कोर्ट पर सब कुछ अनुभव कर लिया है। लेकिन मुझे ग्रास कोर्ट पर अच्छा खेलने का अनुभव नहीं है।'उन्होंने गुरुवार को सेमीफाइनल में बेलिंडा बेनसिच पर 6-2, 6-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

खबर संक्षेप

तीरंदाजी संघ ने एमिटी विश्वविद्यालय से किया करार

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने शुक्रवार को एमिटी विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत तीरंदाजों को प्रमाणपत्र कार्यक्रम और छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी, जिससे वे अपने खेल करियर से समझौता किए बिना उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। इस समझौते के तहत एमिटी विश्वविद्यालय खिलाड़ियों के लिए उनकी चुनौतीपूर्ण दिनचर्या के अनुरूप स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम तैयार करेगा। विश्वविद्यालय इसके अलावा खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति भी प्रदान करेगा। इस योजना के अनुसार अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति के पात्र होंगे, जिसमें पूरे पाठ्यक्रम की फीस का भुगतान शामिल होगा। राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को 50 प्रतिशत छात्रवृत्ति मिलेगी, जबकि राज्य और जिला स्तर के तीरंदाजों को फीस में 30 प्रतिशत छूट मिलेगी।

ओडेई ओनाइंडिया ने एफसी गोवा को छोड़ा

पणजी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के क्लब एफसी गोवा और उसके कप्तान ओडेई ओनाइंडिया ने एक दूसरे से अलग होने का फैसला किया है। स्पेन के

35 वर्षीय खिलाड़ी ने आईएसएल के पिछले सत्र में एफसी गोवा की तरफ से अधिकतर मैच खेले थे। वह दो साल पहले एफसी गोवा से जुड़े थे। इससे पहले वह हैदराबाद एफसी की तरफ से खेलते थे। एफसी गोवा ने एक्स पर कहा, 'हमारे कप्तान ने अपना सबकुछ झोंक दिया, हर टैकल, हमारे बैज के लिए पसीने की हर बूंद। उन्होंने पिछले दो वर्षों में दिखाया कि एफसी गोवा का खिलाड़ी होने का असली मतलब क्या होता है। हर चीज के लिए उनका आभार और भविष्य के लिए शुभकामनाएं।'

नीतीश ने की सटीक गेंदबाजी : कुंबले

लंदन। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें टेस्ट टीम में नियमित रूप से शामिल किया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने खुद को अनुशासन और प्रतिभा का बेहतरीन मिश्रण साबित किया है। इंग्लैंड के मौजूदा दौरे में अपना दूसरा मैच खेल रहे रेड्डी गुरुवार को तीसरे टेस्ट के पहले दिन 2 विकेट लेकर सबसे सफल भारतीय गेंदबाज रहे। कुंबले ने कहा, 'मैं यह देखकर हैरान था कि नीतीश कुमार रेड्डी ने कितनी अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने लगातार सही क्षेत्रों में गेंद डाली। वह भाग्यशाली थे, जो उन्हें लेग साइड में डाली गई शॉर्ट पिच गेंद पर विकेट मिला लेकिन इसके अलावा उन्होंने पूरे दिन अनुशासित गेंदबाजी की।' उन्होंने कहा, 'नीतीश ने आस्ट्रेलिया में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था तथा शतक लगाया था।

इंग्लैंड के पहली पारी में 387 रन, भारत के तीन विकेट पर 145 रन

ऐतिहासिक मैदान में रूट ने जड़ा शतक जसप्रीत बुमराह ने झटके पांच विकेट

एजेंसी ▸▸ लंदन

भारत ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (74 रन देकर पांच विकेट) के सुबह के खतरनक स्पैल के बाद शुक्रवार को यहां तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन जो रूट के 37वें शतक के बावजूद इंग्लैंड को पहली पारी में 387 रन पर समेटने के बाद स्टंप तक तीन विकेट गंवाकर 145 रन बना लिए। बुमराह ने इस तरह कपिल देव के विदेशी सरजमीं पर 12 बार पांच विकेट लेने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और लॉर्ड्स पर 'ऑनर्स बोर्ड' पर अपना नाम दर्ज कराया। बुमराह ने इस तरह टेस्ट में 15 बार पांच विकेट लेने का कारनामा दिखाया।

उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में भी पांच विकेट झटके थे। स्टंप तक केएल राहुल 53 रन और ऋषभ पंत 16 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारतीय टीम इंग्लैंड से पहली पारी के हिसाब से 242 रन पीछे है। राहुल ने निरंतरता जारी रखते हुए शोएब बशीर की गेंद पर एक रन लेकर 97 गेंद में 50 रन पूरे किए। भारत ने चाय काल तक सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (13 रन) का गंवा दिया था। करूण नायर 40 रन बनाकर आउट हुए जो एक बार फिर अच्छी शुरूआत को लंबी पारी में तब्दील नहीं कर सके।

इंग्लैंड ने कप्तान शुभमन गिल (16) को आउट कर भारत को बड़ा झटका दिया। युवा खिलाड़ी जायसवाल टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का पहला शिकार बने। आर्चर की वापसी में तीसरी गेंद जायसवाल के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर दूसरी स्लिप में खड़े हैरी ब्रुक के हाथों में चली गई। लेकिन अनुभवी राहुल और नायर डट कर खेल थे। नायर हालांकि आर्चर और ब्रायडन कार्स की गेंदों के खिलाफ थोड़े असहज दिखे।

गिल और अंपायरों के बीच तीखी बहस

यह हैरानी भरा था कि शुभमन गिल लगभग 10 ओवर पुरानी दूसरी नई ड्यूक्स गेंद को बदलना चाहते थे। अंपायरों ने गिल का अनुरोध स्वीकार कर लिया था, लेकिन भारतीय खिलाड़ी बदली हुई गेंद से खुश नहीं थे। इसके कारण गिल और अंपायरों के बीच तीखी बहस हुई। इंग्लैंड ने शुरुआती घंटे में 7 विकेट पर 307 रन बना लिए। इसके तुरंत बाद सत्र में दूसरी बार गेंद बदली गई, जिससे इंग्लैंड में इस्तेमाल की जाने वाली गेंदों पर बहस और तेज हो गई।

भारत के खिलाफ लॉर्डस में रूट का आठवां शतक

भारत के खिलाफ लगाया गया यह शतक इस मैदान पर रूट का आठवां सैकड़ा भी था, जो इतिहास में किसी भी बल्लेबाज की ओर से बनाए गए सबसे ज्यादा शतक है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन और ग्राहम गूच इस मैदान पर छह-छह शतक लगाकर दूसरे स्थान पर हैं।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज

सचिन तेंदुलकर	51 शतक
जैक कैलिस	45 शतक
रिकी पोंटिंग	41 शतक
कुमार संगकारा	38 शतक
जो रुट	37 शतक
स्टीव स्मिथ	36 शतक

रूट का लॉर्ड्स में लगातार तीन शतक

दाएं हाथ के बल्लेबाज रूट लॉर्ड्स में माइकल वॉन (2004-05) और सर जैक 'मास्टर' होब्स (1912-1926) के बाद लगातार तीन शतक लगाने वाले इंग्लैंड के तीसरे बल्लेबाज भी बने। अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों में इस प्रतिष्ठित मैदान पर शतकों की हैट्रिक का गौरव सिर्फ दिलीप वेंगसरकर के नाम (1979, 1982, 1986) है। रूट ने यहां अपनी पिछली दो पारियों में 143 और 103 रन बनाए थे।

संन्यास की घोषणा

मूर ने क्रिकेट से लिया संन्यास खेल चुके हैं 85 अंतर्राष्ट्रीय मैच

एजेंसी ▸▸ मुंबई

आयरलैंड क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज पीटर मूर ने 34 साल की उम्र में ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कुल 85 मैच खेले। बता दें कि, आयरलैंड के इस बड़े खिलाड़ी ने इस टीम के लिए अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू नहीं किया था। उन्होंने आयरलैंड के लिए सिर्फ टेस्ट फॉर्मेट ही खेला।

वहीं, आयरलंड के पीटर मूर ने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच उसी देश के खिलाफ खेला, जिसके लिए उन्होंने डेब्यू किया था। जी हां इस बल्लेबाज ने दो देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेला। 2 फरवरी 1991 को मूर का जन्म जिम्बाब्वे की राजधानी हरारे में हुआ था।

पीटर मूर ने अपना अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू 26 नवंबर 2014 को जिम्बाब्वे के लिए खेलते हुए बांग्लादेश के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्होंने जिम्बाब्वे के लिए ही 2016 में टेस्ट और टी20 में डेब्यू किया।

2019 में उन्हें जिम्बाब्वे का उपकप्तान भी नियुक्त किया गया, लेकिन इसके बाद उनके करियर में एक नया मोड़ आया। पीटर मूर ने आयरिश पासपोर्ट मिलने के बाद आयरलैंड क्रिकेट टीम में जगह बना ली। उन्होंने ढाका में साल 2023 में 32 साल की उम्र में आयरलैंड के लिए अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया।

लारा ने कहा, मुल्डर को रिकॉर्ड बनाना चाहिए था

जोहानिसबर्ग। ब्रायन लारा के नाबाद 400 रन के सर्वोच्च व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर के करीब होने के बावजूद उनके रिकार्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं करने के वियान मुल्डर के फैसले को वेस्टइंडीज के खिलाड़ी ने भी सही नहीं बताया और कहा कि दक्षिण अफ्रीका के इस बल्लेबाज को उस मुकाम तक पहुंचना चाहिए था। मुल्डर जिंबाब्वे के खिलाफ हाल में टेस्ट मैच के दौरान जब 367 रन बनाकर खेल रहे थे तब उन्होंने पारी समाप्त करने की घोषणा करके लारा का रिकॉर्ड तोड़ने का सुनहरा अवसर गंवा दिया था। दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक कप्तान ने बाद में कहा कि लारा के प्रति सम्मान के कारण उन्होंने ऐसा किया। लारा ने 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ यह ऐतिहासिक पारी खेली थी।

नीरज चोपड़ा ने कहा-

ट्रेनिंग के दौरान अपनी एक समस्या पर कर रहा हूं काम

एजेंसी ▸▸ गुरुग्राम

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अपने खेल में एक समस्या की पहचान की है और जल्द से जल्द इसमें सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि वह इस साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं। चोपड़ा 13-21 सितंबर को तोक्यो में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में पदक के सबसे प्रबल दावेदार हैं।

वह 57 दिन तक चेक गणराज्य के प्राग और निम्बर्क में ट्रेनिंग लेंगे। वह आज रात अपने फिजियो इशान मारवाह के साथ रवाना होंगे और पांच सितंबर तक यूरोपीय देश में रहेंगे, जिसका कुल खर्चा 19 लाख रुपए है। चोपड़ा ने कहा, 'मैंने पहले ही अपनी कमी की पहचान कर ली है, जिन पर मुझे काम करने की जरूरत है। भाला फेंकते समय मैं अक्सर अपनी बाईं ओर गिर जाता हूं। हमें इस पर काम करने की जरूरत है। ट्रेनिंग में मैं ऐसा नहीं करता लेकिन प्रतियोगिता में अतिरिक्त प्रयास के कारण ऐसा होता है।' दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने कहा कि उन्हें बार बार 90 मीटर का आंकड़ा छूने के लिए निरंतरता पर भी काम करने की जरूरत है। चोपड़ा ने कहा, 'मैंने इस साल 90 मीटर की दूरी तय की है। लेकिन इसे बार बार हासिल करने के लिए मुझे और अधिक निरंतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। मैं लगातार 88-89 मीटर के आसपास भाला फेंक रहा हूं और मेरे कोच ने कहा कि वह खुश हैं लेकिन मुझे और अधिक निरंतर प्रदर्शन करने की जरूरत है।'

सुरक्षा समीक्षा के बाद ही टीम भारत भेजेंगे : पाक

कराची। पाकिस्तान इस साल के आखिर में होने वाले एशिया कप और जूनियर विश्व कप के लिए अपनी राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत भेजने से पहले वहां की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगा। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने कहा है कि यदि राष्ट्रीय टीम को सुरक्षा को लेकर किसी तरह का खतरा होगा तो उसे भारत नहीं भेजा जाएगा। प्रधानमंत्री युवा विकास एवं खेल कार्यक्रम के अध्यक्ष राणा मसूद ने कहा कि सरकार के सुरक्षा स्थिति से पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद ही पाकिस्तान की टीम को भारत का दौरा करने की अनुमति दी जाएगी। पूर्व मंत्री मसूद ने कहा, 'सरकार पाकिस्तानी नागरिकों के लिए भारत में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेगी और यदि वह संतुष्ट नहीं होगी तो वह अपने किसी भी खिलाड़ी को भारत में खेलने के लिए भेजकर उसे खतरे में नहीं डालेगी।'

ज्योति, परनीत तीरंदाजी विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी ▸▸ मैड्रिड

■ कंपाउंड मिश्रित टीम कांस्य की दौड़ में

ज्योति सुरेखा वेन्नम और परनीत कौर ने तीरंदाजी विश्व कप चौथे चरण में कंपाउंड महिला एकल के सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहीं जबकि मिश्रित टीम कांस्य पदक की दौड़ में बनी हुई है, मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्योति ने तुर्की की हजल बुरुन को 147-144 से हराया, जबकि सातवीं वरीयता प्राप्त परनीत ने भी तुर्की की ओनुर क्यूर गिरडी को 142-141 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। दोनों तीरंदाज सेमीफाइनल में अलग-अलग प्रतिद्वंद्वियों का सामना करेंगी, जिससे भारत को महिला व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में दो पदक हासिल करने का मौका होगा। पुरुष कंपाउंड तीरंदाजों ने हालांकि व्यक्तिगत वर्ग में निराश किया। शीर्ष वरीयता प्राप्त ऋषभ यादव दूसरे दौर में ही बाहर हो गए। उन्हें इटली के माइकिया गोडानो से 141-143 से हार मिली। अमन सैनी और प्रियांश का अभियान भी जल्दी खत्म हो गया। क्वालीफाइंग वर्ग में 1431 अंक के साथ विश्व रिकॉर्ड कायम करने वाली ज्योति और यादव की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी मिश्रित टीम स्पर्धा के सेमीफाइनल में उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में 12वीं वरीयता प्राप्त नीदरलैंड की जोड़ी से 155-152 से शिकस्त मिली।

गौतम गंभीर ने बीसीसीआई के परिवार नियम का किया समर्थन

एजेंसी ▸▸ लंदन

भारतीय कोच ने कहा-यहां छुट्टी मनाने के लिए नहीं आए

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने लंबी विदेशी यात्राओं के दौरान क्रिकेटरों के परिवार की उपस्थिति को सीमित करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश का समर्थन करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को यह महसूस करना चाहिए कि वे छुट्टी पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य पर हैं।

बीसीसीआई ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया से 1-3 की हार के बाद एक संशोधित यात्रा नीति तैयार की है। इसके तहत 45 दिनों से अधिक के दौरों के लिए परिवार के सदस्यों के रहने की अवधि अधिकतम दो सप्ताह तक सीमित कर दी गई है। छोटे दौरों के लिए यह अवधि सात दिनों तक सीमित कर दी गई थी। गंभीर ने चेतेश्वर पुजारा से कहा, ' परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण है लेकिन आपको एक बात समझनी होगी। आप यहां एक उद्देश्य के लिए आए हैं। यह कोई छुट्टी नहीं है। आप एक बहुत बड़े उद्देश्य के लिए यहां हैं। उस ड्रेसिंग रूम में या इस दौरे पर बहुत कम लोग हैं, जिन्हें देश को गौरवान्वित करने का यह अवसर मिलता है।' उन्होंने कहा, ' मैं परिवारों को हमारे साथ नहीं रखने के खिलाफ नहीं हूं।'इससे पहले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने खिलाड़ियों के साथ परिवार को रखने का समर्थन किया था।

एजबेस्टन में आज होगा टी-20 श्रृंखला का अंतिम मैच

जीत के साथ सीरीज का अंत करने उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी ▸▸ बर्मिंघम

श्रृंखला पहले ही अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांचवें और अंतिम मैच में अपना दबदबा कायम रखते हुए 5 मैचों की महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का शानदार अंत करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारतीय टीम ने शुरुआती मैचों में बल्ले और गेंद ने कमाल दिखाया, लेकिन चौथे मैच में उसकी फील्डिंग भी शानदार रही, जिससे वह इंग्लैंड के खिलाफ पहली बार खेल के सबसे छोटे प्रारूप में श्रृंखला जीतने में सफल रही। अरुंधति रेड्डी के

सीमा रेखा पर लिए गए तीन शानदार कैच और राधा यादव की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को 7 विकेट पर 126 रन पर रोक दिया और फिर यह मैच छह विकेट से जीतकर श्रृंखला में 3-1 की निर्णायक बढ़त हासिल की। टी20 श्रृंखला में मिली इस जीत से भारत ने तीन मैच की एक दिवसीय श्रृंखला के लिए अपनी पुख्ता तैयारी का भी सबूत पेश किया।

स्पिनरों का शानदार प्रदर्शन

भारतीय टीम अब वनडे श्रृंखला में अधिक आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। अंतिम मैच में जीत से हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को 4-1 की बढ़त मिल जाएगी और इंग्लैंड का आत्मविश्वास भी डगमगा जाएगा। भारतीय पुरुष टीम ने पिछले सप्ताह एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में यादगार जीत हासिल की थी और महिला टीम भी उसी मैदान पर जीत की लय बरकरार रखने के लिए उत्सुक होगी। भारतीय गेंदबाजों विशेषकर स्पिनरों अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। इंग्लैंड के बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते नजर आए हैं और श्रृंखला में अब तक स्पिनरों के खिलाफ 22 विकेट गंवा चुके हैं।

शानदार क्षेत्ररक्षण के लिए मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई थीं राधा

राधा यादव को पिछले मैच में दो विकेट और शानदार क्षेत्ररक्षण के लिए मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था जबकि युवा एन श्री चरणी इस श्रृंखला की शुरुआत में टी-20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने के बाद सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे सफल स्पिनर दीप्ति शर्मा के नेतृत्व में भारत के स्पिन आक्रमण का सामना करना इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली बन गई है। बल्लेबाजी विभाग में स्मृति मंधाना ने सर्वाधिक रन बनाए हैं। उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर भारत को आक्रामक शुरुआत दिलाई है। जेमिमा रोड्रिग्स मध्यक्रम में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं लेकिन हरमनप्रीत अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखीं और वह वनडे श्रृंखला से पहले अपने खेल को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगी।

बांग्लादेश में सेना ने बढ़ाया कट्टरपंथियों को समर्थन: हसीना की पार्टी कमजोर

-खालिदा की BNP पर शिकंजा, लोकतंत्र पर संकट

ढाका। बांग्लादेशी आर्मी के चीफ जनरल वाकर-उज-जमान का झुकाव अब कट्टरपंथी इस्लामी दलों की ओर देखा जा रहा है। जिनमें जमात-ए-इस्लामी, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश, खिलाफत मजलिस, मुत्ताहिदे मजलिस-ए-अमल, और तंजीमुल उलेमा जैसे दल शामिल हैं। ये सभी मिलकर एक कट्टरपंथी गठबंधन के रूप में उभर रहे हैं और एकजुट होकर प्रोपोर्शनल रिप्रेजेंटेशन प्रणाली (मत प्रतिशत आधारित सीट बंटवारा) की मांग कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि यह मांग नहीं मानी गई तो वे चुनाव बहिष्कार का रास्ता अपनाएंगे। मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) अंदरूनी चुनौतियों से जूझ रही है। पार्टी अब तक उम्मीदवार तय नहीं कर पाई है और हर सीट पर कई दावेदारों के चलते अंतर्विरोध गहराते जा रहे हैं। ऐसे में नेता तारीक रहमान की संभावित वापसी को पार्टी संकट से उत्थान की अंतिम उम्मीद मान रही है।

प्रस्तावित चुनावी व्यवस्था को लेकर BNP में ही मतभेद

चीफ एडवाइजर के नेतृत्व में राष्ट्रीय सहमति आयोग व संविधान सुधार आयोग ने दो सदन वाली संसद की सिफारिश की है। निचले सदन में 400 सीटें और चुनाव पहले की तरह फर्स्ट पास्ट द पोस्ट प्रणाली से होंगे। ऊपरी सदन में 100 सीटें होंगी, जो निचले सदन के चुनाव में पार्टियों को प्राप्त वोट प्रतिशत के आधार पर तय की जाएंगी। इस पर कट्टरपंथी गठबंधन सहमत हैं, लेकिन BNP इन 3 मुद्दों पर मुद्दों पर असहमत है।

1. चुनाव प्रणाली पर मतभेद

कट्टरपंथी: प्रोपोर्शनल रिप्रेजेंटेशन प्रणाली की मांग कर रहे हैं, जिसमें निचले सदन के चुनावों में किसी पार्टी को जितना प्रतिशत वोट मिले, उतने ही प्रतिशत सीटें उसे ऊपरी सदन में मिलें।

BNP: इस प्रणाली का विरोध करती है। पार्टी चाहती है कि ऊपरी सदन में सीटों का आवंटन महिला आरक्षित सीटों की तर्ज पर हो, यानी पार्टी की निचले सदन में जीत के अनुपात में हो, न कि वोट प्रतिशत के आधार पर।

2. रणनीतिक दबाव की राजनीति

कट्टरपंथी: प्रोपोर्शनल रिप्रेजेंटेशन प्रणाली लागू करवाने के लिए वे एकजुट होकर चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हंट ताकि बीएनपी पर दबाव बनाया जा सके।

BNP: दबाव की राजनीति मंजूर नहीं, ये ब्लैकमेलिंग है।

3. चुनाव की टाइमिंग पर टकराव

कट्टरपंथी: फरवरी 2026 तक चुनाव के लिए तैयार नहीं है। वे चुनाव की प्रक्रिया को परामर्श आधारित बनाना चाहते हैं।

BNP: BNP ने फरवरी 2026 में चुनाव कराने पर सैद्धांतिक सहमति दी है, वे इसका दवाब बना रहे।

BNP नेता तारिक बांग्लादेश लौट सकते हैं

BNP के लिए राहत की बात यह है कि पार्टी के एक्टिंग चेयरमैन तारीक रहमान जुलाई या अगस्त में बांग्लादेश लौट सकते हैं। इससे पार्टी की सियासी अनिश्चितता का दौर खत्म होगा। BNP उनकी वापसी को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी की है। BNP प्रमुख खालिदा जिया के गुलशन स्थित फिरोजा बंगले के पास एक नया घर भी सजाया जा रहा है। माना जा रहा है कि तारीक अपने परिवार के साथ इसमें रह सकते हैं।

मानवता विरोधी अपराधों में हसीना पर 3 अगस्त से शुरू होगी सुनवाई

पूर्व पीएम शेख हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराधों का केस चलाया जा रहा है। उनके साथ पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान और पुलिस प्रमुख अब्दुल्ला अल ममून पर भी आरोप लगे हैं। इन सभी पर 2024 में छात्र आंदोलन को दबाने के लिए हत्या और अत्याचार करने के आरोप हैं। ममून ने आरोप कबूल लिए हैं। इस केस की सुनवाई 3 अगस्त 2025 से शुरू होगी। बता दें कि हसीना ने पिछले साल (5 अगस्त 2024 को) देश छोड़ा था।

बांग्लादेश में मौजूदा हालात एक बार फिर लोकतंत्र पर संकट की कहानी कह रहे हैं। शेख हसीना की अवामी लीग, जो पिछले डेढ़ दशक से सत्ता में है, अब चुनावी मैदान से धीरे-धीरे गायब होती दिखाई दे रही है। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) गंभीर राजनीतिक और कानूनी मुश्किलों में उलझी हुई है। इन हालात में बांग्लादेश की सेना ने चुपचाप कट्टरपंथी पार्टियों को जमीन देने की नीति अपनाई है, जिससे देश में राजनीतिक संतुलन बदलता नजर आ रहा है। बांग्लादेश में कट्टरपंथी विचारधारा की जड़ें गहरी रही हैं। यहां जमाते इस्लामी, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश और हिफाजते इस्लाम जैसी पार्टियां पहले भी कट्टर एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश कर चुकी हैं। लेकिन अब इन पार्टियों को अंदरखाने से समर्थन मिलने की चर्चा तेज हो गई है।

CJI बीआर गवई ने दी युवाओं को ईमानदारी चुनने की सलाह

-भारतीय न्याय व्यवस्था में 'सुधार की सख्त जरुरत

नई दिल्ली। देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) बीआर गवई ने भारतीय न्याय व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत बताते हुए कहा कि आज न्यायालयों में लंबित मामलों और धीमी प्रक्रियाओं के कारण लोगों का न्याय पर विश्वास कमजोर हो रहा है। उन्होंने कहा कि न्यायिक सुधार सिर्फ सरकार या न्यायपालिका का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज का विषय है और इसमें हर व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने यह बात शुक्रवार को ग्रेजुएट कर चुके छात्रों के एक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। CJI ने कहा कि युवाओं को अपने करियर और जीवन में ईमानदारी को प्राथमिकता देनी चाहिए और जब भी गुरु चुनें, तो उनकी शक्ति या रसूख देखकर नहीं, बल्कि उनकी ईमानदारी और उसूल देखकर चुनें।

भारतीय न्याय व्यवस्था में सुधार क्यों जरूरी?

CJI गवई ने कहा कि भारत में न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा बना हुआ है, लेकिन न्यायिक प्रक्रियाओं में देरी और लंबित मामलों की बढ़ती संख्या से आम आदमी को न्याय मिलने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अदालतों में 5 करोड़ से ज्यादा मामले लंबित हैं, जिनमें से कई मामले सालों से लंबित हैं। इससे न्याय की समयबद्ध उपलब्धता प्रभावित होती है और गरीब और जरूरतमंद लोगों के अधिकारों का हनन होता है।

उन्होंने कहा, "न्याय तभी सच्चा होता है जब वह समय पर मिले। अन्यथा, देरी से मिला न्याय, न्याय न मिलने के बराबर होता है।"

न्यायिक व्यवस्था में सुधार के लिए सुझाव

CJI ने कुछ बिंदुओं पर जोर दिया: डिजिटलीकरण को बढ़ावा दिया जाए ताकि मुकदमों की सुनवाई और फैसलों में पारदर्शिता और तेजी आ सके। मध्यस्थता (मेडिएशन) और वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) को बढ़ावा दिया जाए। अदालतों में मानव संसाधन और तकनीकी सुविधाओं में सुधार किया जाए।

जजों की नियुक्तियों की प्रक्रिया तेज की जाए और रिक्त पदों को भरा जाए।

कानूनी साक्षरता को बढ़ावा दिया जाए ताकि लोग अपने अधिकारों और न्यायिक प्रक्रियाओं को समझ सकें।

युवाओं को दी सीख: ईमानदारी को प्राथमिकता दें

दीक्षांत समारोह में उपस्थित ग्रेजुएट छात्रों को संबोधित करते हुए CJI गवई ने कहा कि जीवन में तरक्की पाने के लिए सिर्फ डिग्री या पद ही मायने नहीं रखते, बल्कि ईमानदारी और नैतिक मूल्यों पर टिके रहना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, "जब आप जीवन में किसी को अपना गुरु चुनें, तो उसकी शक्ति, उसका रसूख या उसका ओहदा देखकर नहीं, बल्कि उसकी ईमानदारी और उसूल देखकर चुनें।" CJI ने कहा कि आज समाज को ऐसे युवाओं की जरूरत है जो बदलाव का माध्यम बन सकें और अपने करियर में ईमानदारी और निष्ठा के साथ आगे बढ़ सकें।

छात्रों में दिखा उत्साह

कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राओं में CJI के संबोधन को लेकर उत्साह दिखा। छात्रों ने कहा कि वर्तमान समय में जब करियर और सफलता की दौड़ में लोग शॉर्टकट अपनाने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे में मुख्य न्यायाधीश का ईमानदारी और उसूलों पर टिके रहने की सीख प्रेरणादायक है।

न्याय व्यवस्था की चुनौतियां

भारत की न्याय व्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है: लंबित मुकदमे: बढ़ती जनसंख्या और विवादों में वृद्धि के कारण अदालतों में मुकदमे बढ़ते जा रहे हैं। जजों की कमी: अदालतों में जजों के पद खाली रहने से मामलों की सुनवाई में देरी होती है। तकनीकी सुविधाओं की कमी: कई अदालतों में अब भी डिजिटल सिस्टम और ई-कोर्ट की सुविधाएं पूरी तरह नहीं पहुंची हैं। वित्तीय सीमाएं: न्यायपालिका को मिलने वाला बजट सीमित है, जिससे संरचनात्मक और तकनीकी विकास में बाधा आती है।

सरकार और न्यायपालिका का साझा दायित्व

CJI गवई ने कहा कि न्यायपालिका में सुधार सरकार और न्यायपालिका दोनों का साझा दायित्व है। उन्होंने कहा कि अदालतों में बुनियादी ढांचे और संसाधनों के विकास के लिए सरकार को निवेश बढ़ाना चाहिए ताकि मामलों का तेजी से निपटारा किया जा सके। उन्होंने कहा कि न्यायिक सुधार के लिए जजों की संख्या बढ़ाना, अदालतों में ई-फाइलिंग, वर्चुअल सुनवाई और डिजिटल रिकॉर्डिंग जैसी व्यवस्थाएं तेजी से लागू करना जरूरी है।

राधिका यादव हत्याकांड में बड़ा अपडेटपिता दीपक यादव

-14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

नई दिल्ली। राधिका यादव हत्याकांड में पुलिस की जांच में बड़ा अपडेट आया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पिता दीपक यादव को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है और लोग जानना चाह रहे हैं कि आखिर एक पिता ने अपनी ही बेटी के साथ ऐसा कैसे कर दिया।

क्या है पूरा मामला?

राधिका यादव की संदिग्ध हालात में मौत के बाद यह मामला चर्चा में आया था। शुरुआती जांच में यह आत्महत्या का मामला माना जा रहा था, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की। इस जांच में परिवार के सदस्यों से पूछताछ की गई और कई पहलुओं पर पड़ताल की गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, कॉल डिटेल्स और पड़ोसियों से मिली जानकारी के आधार पर पिता दीपक यादव को मुख्य संदिग्ध मानते हुए गिरफ्तार किया।

दीपक यादव पर क्यों आया शक?

पुलिस सूत्रों के अनुसार, राधिका और दीपक यादव के बीच अक्सर किसी बात को लेकर झगड़े होते थे। पड़ोसियों ने भी पुलिस को बताया कि घटना वाले दिन राधिका और उसके पिता के बीच कहासुनी हुई थी। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के दौरान ऐसे कई साक्ष्य इकट्ठा किए, जिससे हत्या में पिता की संलिप्तता का शक और मजबूत हुआ। घर में लगे सीसीटीवी फुटेज में भी दीपक यादव की संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। घटना के दिन दीपक का व्यवहार असामान्य पाया गया। पूछताछ के दौरान दीपक यादव ने पहले तो पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन कड़ाई से पूछने पर वह टूट गया और उसने हत्या की बात कबूल कर ली। हालांकि पुलिस की ओर से अभी तक इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

पुलिस ने दीपक यादव को शनिवार को कोर्ट में पेश किया, जहां पुलिस ने उसकी न्यायिक हिरासत की मांग की। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद दीपक यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस अब इस मामले में अन्य साक्ष्यों को इकट्ठा कर चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में जुट गई है। पुलिस को घटनास्थल से एक दुपट्टा मिला, जिससे गला घोंटने की आशंका व्यक्त की गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में राधिका की गर्दन पर निशान मिले थे। घर में मौजूद अन्य सदस्यों से भी पूछताछ हुई, जिन्होंने घरेलू विवाद की बात बताई। कॉल डिटेल्स में राधिका और उसके दोस्तों से अंतिम बातचीत के बाद पिता से हुई कहासुनी का पता चला। पुलिस ने दीपक यादव का मोबाइल जब्त कर डाटा की जांच शुरू कर दी है।

राधिका की मां का बयान

राधिका की मां ने पुलिस को दिए बयान में कहा कि राधिका पढ़ाई में अच्छी थी और आगे पढ़कर कुछ करना चाहती थी। लेकिन दीपक यादव अक्सर घर के खर्च और राधिका की पढ़ाई को लेकर नाराज रहता था। मां ने यह भी बताया कि घटना वाले दिन घर में झगड़ा हुआ था, जिसके बाद राधिका अपने कमरे में चली गई थी।

पटना एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी, 10 दिन में दूसरी बार कॉल से मची सनसनी

पटना। बिहार की राजधानी पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को शुक्रवार को फिर बम से उड़ाने की धमकी दी गई। यह धमकी पिछले 10 दिनों में दूसरी बार मिली है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। हालांकि बम निरोधक दस्ते ने तलाशी के बाद एयरपोर्ट से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं की है, लेकिन इस धमकी ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। धमकी मिलने के बाद मचा हड़कंप एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह लगभग 9 बजे एयरपोर्ट कंट्रोल रूम में एक अनजान व्यक्ति का कॉल आया, जिसमें उसने कहा कि एयरपोर्ट पर बम लगाया गया है और किसी भी समय धमाका किया जा सकता है। कॉल मिलते ही कंट्रोल रूम में हड़कंप मच गया और तुरंत सीआईएसएफ, बम निरोधक दस्ता और स्थानीय पुलिस को जानकारी दी गई। इसके बाद एयरपोर्ट परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी यात्रियों और कर्मचारियों को सतर्क किया गया। एयरपोर्ट के प्रवेश और निकासी द्वारों पर जांच बढ़ा दी गई और बम स्क्वायड ने पूरे परिसर को खंगालना शुरू कर दिया। तलाशी में नहीं मिला कोई बम करीब तीन घंटे तक चले तलाशी अभियान के बाद बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड ने पूरे एयरपोर्ट परिसर और टर्मिनल भवन की जांच की, लेकिन किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच के बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने राहत की सांस ली, लेकिन सुरक्षा अलर्ट अभी भी बरकरार रखा गया है। यह धमकी ऐसे समय पर मिली है जब 10 दिन पहले भी पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। उस समय भी पूरी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी और कई घंटों तक तलाशी अभियान चला था। हालांकि तब भी किसी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला था। लगातार मिल रही धमकियों से प्रशासन की चिंता बढ़ गई है और सुरक्षा इंतजामों को और पुख्ता किया जा रहा है। बम धमकी के कारण यात्रियों में दहशत का माहौल देखा गया। तलाशी के दौरान यात्रियों को एयरपोर्ट परिसर के बाहर इंतजार करना पड़ा। कुछ यात्रियों ने बताया कि वह समय पर अपनी उड़ान पकड़ने के लिए आए थे, लेकिन तलाशी अभियान की वजह से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान कुछ उड़ानों की उड़ान में देरी भी हुई, जिससे यात्रियों की चिंता और बढ़ गई। हालांकि, तलाशी अभियान पूरा होने के बाद एयरपोर्ट पर उड़ानें सामान्य रूप से संचालित होने लगीं।

सुरक्षा व्यवस्था की गई कड़ी

बम धमकी के बाद सीआईएसएफ और एयरपोर्ट प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया है। एयरपोर्ट के अंदर और बाहर अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। यात्रियों और उनके सामान की कड़ी जांच की जा रही है। साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी बढ़ा दी गई है। सीआईएसएफ अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और धमकी को हल्के में नहीं लिया जाएगा। हर आने-जाने वाले व्यक्ति की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पुलिस कर रही है कॉल की जांच

पुलिस ने धमकी भरे कॉल की जांच शुरू कर दी है। कॉल किस नंबर से आया, किसने किया, और कॉल करने का उद्देश्य क्या था, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस साइबर सेल की मदद से कॉल डिटेल्स और लोकेशन ट्रेस करने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही कॉल करने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। अगर यह किसी की शरारत है तो भी उसे कानून के अनुसार सख्त सजा दी जाएगी ताकि आगे से कोई इस प्रकार की हरकत न कर सके।

क्या बोले अधिकारी?

पटना एयरपोर्ट निदेशक ने बताया कि धमकी मिलने के तुरंत बाद एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई और तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा प्राथमिकता है, इसलिए किसी भी धमकी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पटना पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कॉल की जांच की जा रही है और जल्द ही कॉल करने वाले की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट की सुरक्षा में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी और यात्रियों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने कपिल शर्मा को दी धमकी: कहा कनाडा में बिजनेस बंद करो

- हिंदुस्तान लौट जाओ, कैफे पर फायरिंग के बाद VIDEO जारी

अमृतसर। खालिस्तान आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कॉमेडियन कपिल शर्मा को कनाडा में कैफे खोलने पर धमकी दी है। पन्नू ने वीडियो जारी करके कहा कि कपिल खुद को हिंदूवादी बताता है। उसके कैफे पर फिर गोलियां चलाई जा सकती हैं और खालिस्तानी समर्थकों पर आरोप लगाए जा सकते हैं। पन्नू ने कहा- भारत के लोग कनाडा के सर्रे शहर में निवेश कर रहे हैं। क्या कपिल का कैफे सिर्फ एक कॉमेडी कैफे है या हिंदुत्व का वैश्विक विस्तार करने की एक रणनीति का हिस्सा है? ये लोग कनाडा में बिजनेस कर रहे हैं, भारत में क्यों नहीं? जब वो कनाडा के कानून को नहीं मानते तो यहां क्यों आ रहे हैं, ये कोई खेल का मैदान नहीं है। अपना पैसा लेकर वापस हिंदुस्तान जाओ। यहां हिंदुत्व विचारधारा नहीं चलेगी। हालांकि, दैनिक भास्कर पन्नू के वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

कपिल शर्मा का कनाडा में कैफे

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा ने कनाडा में कुछ समय पहले एक कैफे की शुरुआत की थी। इस कैफे में भारतीय स्वाद और माहौल को कनाडा में बसे भारतीयों तक पहुंचाने का मकसद था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्रैम्पटन के इस कैफे पर कुछ दिनों पहले अज्ञात हमलावरों ने गोलियां चलाई थीं। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन कैफे में नुकसान जरूर हुआ। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां जांच कर रही थीं कि आखिर इस हमले के पीछे कौन है। अब आतंकी पन्नू ने खुद वीडियो जारी कर जिम्मेदारी ली है और इस हमले को खालिस्तान आंदोलन का हिस्सा बताया है।

कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग का मामला जानिए...

9 जुलाई की रात को फायरिंग हुई कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सर्रे में कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग हुई। कपिल शर्मा ने तीन दिन पहले 7 जुलाई को कैप्स कैफे नाम के इस कैफे का उद्घाटन किया था। दावा किया गया कि हमलावरों ने कैफे पर 9 राउंड फायरिंग की। इसका वीडियो भी सामने आया।

आतंकी लाड़ी ने जिम्मेदारी ली

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि कपिल के कैफे पर हमले की जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकी हरजीत सिंह लाडी ने ली। वह बब्बर खालसा इंटरनेशनल (BKI) से जुड़ा हुआ है। वह भारत में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) की लिस्ट में मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में शामिल है।

कपिल की टीम ने कहा- हम हार नहीं मानेंगे

हमले के बाद कैप्स कैफे की तरफ से पोस्ट में लिखा गया- हमने कैप्स कैफे को सिर्फ एक बिजनेस के तौर पर नहीं, बल्कि एक ऐसी जगह के रूप में शुरू किया था, जहां लोग कॉफी के साथ बातचीत करते हुए सुकून पा सकें। मगर, इस सपने के साथ इस तरह की हिंसा का टकराव होना दिल तोड़ने वाला है। हम इस सदमे से जूझ रहे हैं, पर हार नहीं मानेंगे।

शो में निहंगों पर टिप्पणी करने का दावा

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि हरजीत सिंह लाडी ने एक कॉमेडी शो के दौरान निहंग सिखों के खिलाफ टिप्पणी को लेकर कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग कराई। सोशल मीडिया पर हरजीत सिंह लाडी और तूफान सिंह नाम के एक अन्य व्यक्ति ने वीडियो के जरिए कपिल शर्मा को सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की चेतावनी दी और कहा कि माफी नहीं मांगी तो मामला और बिगड़ सकता है। दोनों ने यह भी दावा किया कि उन्होंने कई बार कपिल शर्मा के मैनेजर से संपर्क करने की कोशिश की, जिसे नजरअंदाज कर दिया गया। आखिरकार उन्हें कॉमेडियन का ध्यान खींचने के लिए कैफे के बाहर फायरिंग करनी पड़ी।

कौन है गुरपतवंत सिंह पन्नू?

गुरपतवंत सिंह पन्नू मूलरूप से पंजाब में अमृतसर के खानकोट का रहने वाला है। वो फिलहाल अमेरिका में रहता है और सिख फॉर जस्टिस नाम का संगठन चलाता है। उसके पास अमेरिका और कनाडा दोनों देशों की नागरिकता है। भारत सरकार ने 2019 में आतंकी गतिविधियां चलाने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी UAPA के तहत पन्नू के संगठन SFJ पर बैन लगाया था। सिखों के लिए रेफरेंडम की आड़ में SFJ पंजाब में अलगाववाद और उग्रवादी विचारधारा का समर्थन कर रहा था। पन्नू पर साल 2020 में अलगाववाद को बढ़ावा देने और पंजाबी सिख युवाओं को हथियार उठाने के लिए भड़काने का आरोप लगा। इसके बाद केंद्र सरकार ने 1 जुलाई 2020 को पन्नू को UAPA के तहत आतंकी घोषित किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस कथित साजिश का यही मुख्य टारगेट था। हालांकि FBI की चार्जशीट में इसका जिक्र नहीं है।

ट्रम्प ने निक एडम्स को मलेशिया में अमेरिका का नया राजदूत नियुक्त किया

-2021 में बने थे अमेरिकी नागरिक

अमेरिका। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और 2025 के चुनाव में फिर से राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में निक एडम्स को मलेशिया में अमेरिका का नया राजदूत नियुक्त किया है। यह फैसला ट्रम्प प्रशासन की एशिया नीति और दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिकी हितों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को फ्लोरिडा के निक एडम्स को मलेशिया में अमेरिका का अगला राजदूत चुना है। ये राजदूत एडगार्ड डी. कागन की जगह लेंगे। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे निक 2021 में अमेरिकी नागरिक बने और इंटरनेट पर ट्रम्प के पसंदीदा व्यक्तित्वों में से एक माने जाते हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में ऐशफील्ड काउंसिल के डिप्टी मेयर और सबसे कम उम्र के डिप्टी मेयर रह चुके हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ करते हुए कहा, "एडम्स एक शानदार देशभक्त, बेस्ट सेलिंग लेखक, वक्ता और कमेंटेटर हैं।" एडम्स ने मलेशिया में अमेरिकी राजदूत के रूप में अपनी नियुक्ति पर ट्रम्प का आभार जताया। उन्होंने X पर लिखा, "राष्ट्रपति, मुझे यह सम्मान देने के लिए धन्यवाद। मलेशिया में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात होगी।" निक लेखक और कमेंटेटर हैं, जो 'फाउंडेशन फॉर लिबर्टी एंड अमेरिकन ग्रेटनेस' (FLAG) नामक NGO चलाते हैं। उन्होंने 'अल्फा किंग्स' और 'ग्रीन कार्ड वॉरियर' जैसी किताबें लिखी हैं, जिनमें अमेरिकी नागरिक बनने की उनकी कहानी शामिल है।

कौन हैं निक एडम्स?

निक एडम्स ऑस्ट्रेलिया में जन्मे एक लेखक, कंजरवेटिव एक्टिविस्ट और राजनीतिक टिप्पणीकार हैं। उन्होंने 2021 में अमेरिकी नागरिकता प्राप्त की थी। इससे पहले वे ऑस्ट्रेलियाई नागरिक थे और वहां भी राजनीतिक और सांस्कृतिक विषयों पर सक्रिय रूप से लेखन और वक्तृत्व करते थे। एडम्स अमेरिका में 'फाउंडेशन फॉर लिबर्टी एंड अमेरिकन ग्रेटनेस' (FLAG) नामक संस्था के संस्थापक भी हैं, जो अमेरिकी मूल्यों और संविधान की शिक्षा को बढ़ावा देती है। निक एडम्स ट्रम्प के समर्थक रहे हैं और अमेरिका में कंजरवेटिव वैल्यूज को मजबूती से उठाते रहे हैं। उन्होंने अमेरिका में सार्वजनिक मंचों और किताबों के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था, मीडिया और संस्कृति में कंजरवेटिव विचारों को बढ़ाने के लिए अभियान चलाए। ट्रम्प और उनके समर्थक निक एडम्स को अमेरिका की आवाज़ और उसकी नीतियों का एशिया में मजबूती से प्रतिनिधित्व करने में सक्षम मानते हैं।

क्यों मलेशिया में नियुक्ति अहम है?

मलेशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया में अमेरिका के लिए एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देश है। चीन की बढ़ती उपस्थिति और दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के बीच मलेशिया का महत्व और बढ़ जाता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,